MSS No. 286 Subject Hindi NATAK

Name of MSS KRONA BHARAN NATAK (करुणाभरण नाटक)

Author LACHI RAM

Period ____ Folios 94

Script DEVANAGIRI Source Prithi Pal Singh

Missing Folios ____

(7) A

Krona Bharm Natak

ACCESSION NO: 286

AUTHOR: LACHI RAM.

TITLE: KRONA BHARAM NATAK.

h-5

286

००७.

Hindi Ms. 8 H 2		
K 18		करुणाभरण नाटक भिन्न पत्रक ॥ ल० अ० ११ पं० प्र०
286	पृ०	
		ह० ला०

 Natak

॥श्री गणेशाय नमः॥ अथ [illegible]

रसिकजगतपंडितकबिन कहीमहाफललेऊ नाटि
ककरनाभरनउम लछीरामकहिदेऊ २ प्रेमबढेम
ननिपटही अरुआवेअतिरोइ [illegible]नाच्यरससिंगार
रस तहांबहोतकरिहोइ २ लछीरामनाटिककसो
दीनैंगुननिपढाइ भेषरेषनौतननिपुन लयौनर
नसुभाइ ३ सुहृदमंडलीजोरितहां कीनौबडौसमा
ज जोब्रननाच्यौसोकह्यौ कबितामैंसुषसाज ४
सूरजगहनएकदिनभयौ सबजगमिलिकुरषे
तहिगयौ श्रीजदुनाथपरमसुषहाय जंनहूकेंमनभैं
यहआय कहीद्वारिकाजिननिनिकेत तितैचलौप
रसनकुरषेत अधिकारनिकोंअग्पादीनी जंनकंच

लवेकी बुधिकीनी । सबही चलत नयर मसुषलेंहैं । छबीन
गररषवारेरहै । हाथीघोडारथरुपयादे । षचरसहितउं
टऊ[illegible] । भांतिभांतिअसवारीसोहनी । चौडौलपालकी
डोली [illegible]वांहनीऔरकजाए । महलकाजवहोसाज
वनाए । दोहा । चल्यौकटकसबव्रजमडिकैं । गोरनपावै
कोइ । श्रीजदुनाथप्रतापतैं । सबकौंसबसुषहोइ । चौ
पाई । व्रजमडिकटककुरषेतहिआयौ । छितछपिगइमहा
दलछायौ । अवरनूपजात्राकौंआए । अगनितलोग
जातनहिंगाए । जिंनजिंनआगैंडेरालए । तेहरिदेवकट
कमिलिगए । भूल्योसबजगजिततितधावै । कोऊअप
नीगैरनपावै । तहांइकमंगलभएसुहाए । ग्रहनन्हांन
व्रजबासीआए । नंदमहरअरुऔरुषभांन । गोपीगो

पसुप्रेमविधान ॥ ४ ॥ दोहा महर निकट कर कारि करत ग्रह
नकी जात । मिलि तुतरे कुरषेत पर । कह [illegible] नन ईबात ॥
चौपई ॥ तहां इक ग्वालतमासें गयो । ज[illegible]गाढो
नयौ । सीस ऋौ विवा फेटा वाधैं । साथल[illegible] कांवरि
कांधैं । तनवनधातुसतनीया पहरैं । गुंजम[illegible]जे गल
गहरैं । सब हिंनकों जु पेषनौ नयौ । इक जादौं [illegible]प्रछन
गयौ । कहौ कहांते आवत आए । छैल छबीली [illegible]नबना
ए । ग्वाल कही उम कांकै साथ । उन कही साथ द्वारिकानाथ । देस द्वारिका परम सुहाई । पावन तीन लोक [illegible]ई ।
सहस बकटक कहांते आयौ । तिंन अपनौ बिरतात सु
नायौ । बडी उसास ग्वाल तब लई । हियैं कन्हैया की सुधि
नई । इक गुवाल कों मेरो गयौ । जाय द्वारिका राजा भयौ ।

सामिलनसुष। कबकजहोतजुदास। ज्यों संध्यापरैरातिस
सिद्धैविधिकरैतप्रकास॥२॥ नीचीतारिपगनतनहेरैं। नु
लटिउसाससकलघटघेरैं। राजछत्रहरिमाथैंसुने। पग
निनिहारैसुधिकरिजुनै। राजतिलककन्नयोसुनिसुनिहा
रैं। सोपगजावककौरबिचारै। कितीयककोंन्हकरौनि
दुराई। प्रीतिप्रतीतनमनतैंजाई॥दोहा॥ सुनिसिंघास
नकनकपै। बैवैजदुपतिराई। सुरतिसेककिसयैलै
करै। अरुपलकाएयाय। रतनजटितभूषनधरै। सुनि
सुधिकरिमुसकाइ। गुंजमालनागतफिर्यो। सौसौहाहा
षाइ॥१॥ राजरवनअबनहिंमिले। कोटिकरौकिंनको
इ। मोहिनरौसौस्यामकौ। मोमिलिमेरौहोइ॥२॥ नएन
विमिलाउविमिलैं। जुविमिलिंबिरचैचित। नेह[illegible]

डिहोतहै। बालामितसोंनित्र ॥४॥ कहान्नयौंरांनीब
होत। सुंदरसुबरनगात। मेरीओरगुपालकी। न्यारीयै।
कछुबात ॥५॥ भोजनरसघ्रतहीबनें ओरलुनाइसी
ग। चोवाओरकलूंमिलि। सबरसढंगकुढंग ॥६॥ मुक
तामानिककनकपट। अमेलअमोलकआहि। पैंवह
लोहोचौंपरसैं। चिमटैचुंबककाहि ॥७॥ अबऐसीआ
वृतमनैं। आगेंधोंकहाहोइ। बिधिकीबातअतिअट
पटी। जांनिनसकैईकोइ ॥८॥ इतिश्रीलक्ष्मीरामम
तकरुनाभरनं नाटिकरांधिकाअवस्थावरन
नातीयई। हरिह्याहेयहसबसुनिचौंकी। जेहीलो
कबेदतेओंकी। जिंनहिनभूषप्यासहीतनकौं। एकयु
पालआसरोमनकौं। जेछिंनन्यारीरहतीनही। जेनि

4 रासकौंब्रजमैंरही। करैकहारसबसकौंचलै। अमित
ध्यांनतेप्राननिकलै। इकतरुनीइकनवलकुमारि:
इकहीपरमप्रेमपियप्यारी। तरसितरसिमरतीपरडर
ती। इकहरिकेमिलबेकौंकरती। इकएकनिकेआव
तजाती। पायनियरिपरिहाहाघाती। इकब्रतनेमध
रमकौंधरती। हरिसुषमिलनमहादुषभरती। एकक
हैहरिमोतनहसै। तौमोमांएंसबजगबसै। येककहै
हरिमोतनचितवै। मोहीतनआधैपलचितवै। तौंनि
जजनमसुफलकरिजांनौं॥ नामनऔरसुहागति
मांनऊ: एकनिलोकलाजमनधरी। तैपाछैपछता
ऐंमरी। एकबातनकीलागनहारी। इकआंषिनके ४
नातेवारी। इकपांऊनीबिनांहरिदेषै। सुमिसुनि

जनमसुफलकरिलैषै इकबालकतैमुगधाम्रई।
सुनिगुनबिरहतपतिअतितई इकसंकेतवचना
कीदैंनी एकबिसलुब्धामृगनैंनी इकमांनिनलाड
नकीलाडी इकलाडीअनमाडीछाडी एकनिबोलि
कहांनीकहै तेबैसकेबैसैरहै एकनिबहीतनरह
नेजोरैं एकनिसोंजोरैंअनतनिहोरैं इकनिरतकइ
कबाजेबारी इकरसबिरसगवईयान्यारी निसदि
नगृहबनजमुनांतीर जिंनैरिझयेसबबिधिबलबी
र जेआएतेसबसुषलहे मंदनागजेघरमैंरहे इनैंआ
दिदेकछुकगनाई जेगोपीकुरषेतहीआई चंद्रावा
लीग्नलीअरूललिता कुवरिबिसाषासबरसवलिता:
रसिकरसालाओरबिसाला मतीमधुमतीरतीअमा

5

5

ला। रांमदेवलीरमाद्मोली। रांमनिकामिनिओरधमो
ली। इनहिंआदिदैओरैनारी। सुलजसुसीलस्यांमकी
प्यारी।। सषानांम।। मधुमंगलमधुबनीयाजेता। मना
मनसुषारैतापैता। श्रीदामामोचपटुवा। रमागनेसा।
ओरसुधनिया। पदमपंदरथासुषवापुषवा। नेंना ओ
रनरैनालषुवा। इनहिंआदिदैआएसषा। पुरसैसीस
मोरकेपषा।। नएमनोरथफूलेबोलत। टोलटोलग्वा।
लनकेडोलत। धनिधनिनियाआजकोदिनां। महानि
गोडेहेहरिबिनां। धनियहघरीसुनेहरिआए। जनमा।
जनमकेदोषनसाए। बृजकोंहरहिपकरलेचल्यो। ओ।
सीकरकृतोअतिहीनलो। कूकैंगरोपकरिकैफूलै। कू ५
देदेलहिंषेलहिंफूलें। एककहैनईयायहेकीजै। कृष्ण

द्वारिका जान न दीजै । येक कहै हौं लै हौं दाउ । कहा नयौ
वहै आयौ राउ । एक कहै आवन तौ देउ । तब तुम दाव षे
लकौ लउ । यह सुनि गायनि कां नउ वार । समाचार मोंह
न के पाये । चौंकि चमकि कांपति म्हरजाति । ऊंकार ति व्या
कुल अकुलाति । इत उत तकत उगारैं नारि । निज तन ना
मन नहिं सकति संभारि । मन मैं कहति कहां वह प्यारौ
बन बन हम महिं चरावन हारौ । बछरनि पीवत लगावत ला
तनि । बछरा कहत कहा नयौ मातन । गईयां आंवन दे
नहिं नेरैं । रूषे डरी ये मुष तन हेरैं ।।गायन के नांम।। क
जरी पियरी रातल धौरी । पंजनि मुह बरि चित्र रूसिर मौरी
धूमरि सुरनी अरु मोंहनी । बकुली नरै बकु दौंहनी । चित
कबरी सांवरी सलोंनी । चकई बाजनि लछुई बोंनी । गई

6 याएकएकतेआगर। जिनतेहोयदूधकेसागर। एमोह
नकीप्रांनपियारी। होतनहीइकछिनन्यारी। बरससम
मानबीततीघरी। तिंनकेअंतरबरषेपरी। ग्रतवहजादौं
हरिपैगयौ। इतब्रजजनकौंतूहलभयौ। ब्रजजनमैंजितति जं
तषरभरी। धनिधनिकहतआजकीघरी। जाविनहमस
वरीतेभए। अकसमातआयतेगये॥ इतिश्रीकरुना॥
भरनमाटिकदुतीयअंक॥ अथत्रतीय॥ चौपई॥
जादौंदरबानतिसौंकही। हरिसौंषबरिकरौंयहसही।
नंदजसोदाअरुब्रजग्वांन। सबब्रजआरेग्रहनअनहा
न। यहदरवांनकह्यायपवाई। हरिकोंसुनतमूरछाआ
ई। पेमुनिसमफिसंभारेहरी। जनमभूमिकीसबसुधिक ६
री। लोचनजललितलालकेगए। सुधिकरिमोहनजलभरि

लए। गदगदसुरकछु कहतन आई। सपनौहैकिसाचु
रेमाई। जिंनमोकोंचेलाडलडाए। सुषदीनेजेजे मनमा-
ए। अबकितेतलरिकाईआवै। पुनिवहब्रासनंदग्रहपा
वै। श्रीबसुदेवदेवकीमईया। अरुन्ल्यारनवासकन
हईया। हलकीलागीघरघरकंपै। नेहकनावडिमन
मेचंपै। यहगतिदेषिदेवकीआई। धनिधनिपुत्रकहै
सुषदाई। आंसूप्लैंआचारंगहैं। त्योंत्योंआसुधारनिब
है। बडहेनैंनांपानिपवारे। कहैकोंनबिधिजाइसवारे
। करुनांसिंधुहीयेंगुनआगर। लोचनजलमोचनआ-
रुसागर। काहेकोंमेरोलालनरोवै। जोडषसकलज[illegible]
तकोषोवै। नंदवबाअरुजसुमतिमाई। वैविकहांरह्यो
बेगबुलाई। जबतूसुधिकरिरोवतरहतौं। अपनेमनकी

7 कछूनकहतौ।तबहौंदुषकीमारीमरती।होतीविकल
धीरनहींधरती।महासुगनकुरषेतहिआए।नंदजसो
दानामनपाए।फूलेदेतबधाईबहौतग।श्रीबसुदे
वसमातनहींअंग।सुनौंकांन्हअबफेरनकीजे।हमकों
आजबधाईदीजे।मनमांनतीबधाईलैहैं।मातापिता
मिलनतबदैहैं।सुनजूंपितावेअतिसुषदायक।जग
तनकछूबधाईलाईक।कहारतनाकरुकहासुमेर।
कहासबसंपतिसहितकुबेर।कहाबेकुंठकहासुरा
योंन।तामेंकनककशारिकाकोंन।पैतनमनन्योछावरि
कीजे।सोतनमनउमकोंकांदीजे।अरुयहबस्तउमा
रीयेआहि।ताकीबस्तुदीयेकहाताहि।श्रीबसुदेवप 19
रमसुषपायौ।धन्यपुत्रतैसबमनभायौ।तेसुसीलतैं

सकुनम्मारौ । इकरसनेहनिबाहनहारौ । बुरौबुरौकहिस 8
बजगरटै । जिनकीप्रीतनैकछूघटै ॥ श्रीकृष्णवाक्य ॥ प्री
तघटनकीकहाकहावै । तुमकौंपिताकहतनहिंग्रावे
तुमसौंपिताकहतमतिन्नागति । मेरैमनगारीसीलागतै
करीग्रवज्ञाग्रैसीकही । ग्राजनमोमैंसुधिबुधिरही । हो
ग्रसाधुप्रभुतुमग्रतिसाधु ॥ बकसौतातनयौग्रपराधु ॥
पैमनवजनमनयोहैमेरौ । जहांतहांग्रानंदघनेरौ । पर्वग्र
नंतरबिबिधिबधाए । ग्रहनन्हानहृजबासीग्राए ॥ पुा
न्यग्रनंतग्रनंतत्यौंहारै । एदेषौहितकेव्यौहारै । धन्य
पुत्रबसुदेवसुकारै । गदगदसुरकैग्रासहारैं ॥ एकग्रि
यारनबासहिंगई । जाहिकहीजेबातैनई । ग्ररुयहहा
कहीमहाउपपात । सिंघासनपैरावतजात । यहसु

४ निकैजिततिततेभागी । आयकिवारनिकांकनलागी । रु
कमनिआदिमुहागिलिनारी । श्रीजदुनंदननिकरूपधा
री । देवकीजूतनआंननकीनौं । श्रीठाकुरतनआवरद्दी
नौं । रुकमनिपूछैसैंननिबात । एकाहेतेरोवतजात । देव
कीबाक्य ॥ नंदजसोदाआएसुने । तनमनआवतहोय
हउनैं । तातैंयाकीयहगतिभई । सुधिबुधिसकलभूलि
हैगई । सुनिकुलहनितेआगनिपाए । जिनइनकोंसुषला
डलडाए । बिपतिसहीपैनेहनलचौ । जिंनतेमेरोछौंना
बचौ । कंसकुटलतेमारतराषे । इनकेगुनकछुजातन
भाषे । इनकीसबैउपहतिसही । उवतीबिसनपरतका
ही । कोंकनिउजकनिगलनिपराइनै । जहांतहांबात
नकरतलराइन । अरुजेदेवअटपटीतबे । तेनीकीउ

नमांनीसबै। यहकहाकांकबहूतेनयौ। अबतौय
हसूधौकैगयौ। ज्यौंबांध्यागोपनिकेजीसौं। कूबका 9
क्तौयाहीकीसौं॥ यहसुनिसबरांनीमुसकांनी॥ बृं
दाबनलीलाअरश्रांनी। रुकमनिकहीअहोहमजी
ये। स्यांममनोरथपूरनकीये॥ दोहा॥ धंनिजसोदानं
दधनि। धनिराधानंदनंद। धंनिगोपीजेसुनीहम॥
ब्रजजनश्रांनंदकंद॥ चौपई॥ सुंनिरुकमनिरांनी
कीरांनी। बोलीमधुरमनोहरबांनी। सुषदाइकेजेसु
षदाई। तेश्रायेसबनागबडाई। अबमिटिगयौहौ
येकौदाग। आजहमारौजाग्यौभाग। तबहीजनमसुफ
लकरिलेऊं। जबहीउनकौदरसनपेऊं। धन्यदिंनधन्य
पहेरयहघरी। बिधिकीघरीमोहसौंनरी। यहनहिसत

१ नांमासीनांमनि। स्यांमनिरंतरअंतरजांमिन हरि।
अंतरजांमीसुषपायौ। रुकमनिद्वदौरुदैमैंआयौ॥
न्यायनिरूकमनिसबसिरमोर। प्रकृतिमिलैकीबा
तैंऔर। सुनिआईसतनामारांनी। समाचारसुनिकै
मुसकांनी। गरबसुहागनिकाह्नबदै। कहीयकहा
सुहागकीहदै। अधिकरैबसढीवढगोल। हरिसौंब
चैनकहतकुबोल। रीझैहरिमनमैंअतिभावै। जैसें
वाकेमनमैंआवै। सुमरहिहरिराधाकीबातैं। चोपरू
अनपसदामनतातैं। महारूपतिजादौंकीबेटी। रू
पचतुरईप्रेमलपेटी। इककरूकहिइकगोडीदयौ।
कहनलगीहरिहअबसुषनयौ। बालमित्रसबव्र
जकेआए। अरुव्रषभांनराधिकालाए। अबबुलाई ८१

किंनकीजेसेवा। मिलिबेगेवेतेइतेवा। आजहमहि
किनरासदिषावङ्ग। वेन्हजबारेनेपबनावङ्ग। मुक्त
मालमनिमालन्नतारिङ्ग। मोरगगुंजामालन्नरधार
ङ्ग। अंगनधातकेटीकेकरे। मोरपषामाथेपेधरे।
नोडरकाहटिपारेपहरे। पीतांबरजामेरंगगहरे।
नाचङ्गगावङ्गकूदङ्गषेलो। बैसेहीग्रीवनिबाह।
निमेलो। येबातेंसुनिकेंजङराई। रोवतमांऊदीयोमु
सकाई। मनमनरीझेषीजेहसे। पूरनसकलकलाक
रिहसे॥ इतिश्रीकरुनाभरननाटिकलछीरांम
कततृतीयअंक॥ अथचतुर्थअंक॥ हरिद्वविच
लेपयादेतहां। नंदजसोधान्नतरेजहां। जुगसमबीत
तङ्कङ्कछिंना। अबतोरहनसकतव्रनबिनां। माया

10

10 रहतसुमायारले । दौरनबाहनेपाइनचले । परनरनू
पनीरनरनरी । कौतिकदेषनप्रथवीटरी । जसुमति
नंदसुनेहेआवत सबब्रजबासीबनतबनावत । फू
लतपटपहरतनहिंबनें । इकइकसूथनवेहैजने ॥
मूंडरहेमिलिकौतिकनांधैं । इकइकपाघहिहैहैबां
धैं ॥ गुंजधातमांनिकअनगनें । जथासकतिसिंगाररर
ससने । अपनोजनमसुफलकरिलेष्यो । जसुमतिस्या
मदूरितेदेष्यो ॥ होंबारीयाआवनिउपरि । मोतसुषी ॥
कौंनयानूपर । देष्योडिगनिहूरदुरडुषमोचन । मेरौ
ललनकवलदललोचन । ज्योंज्योंमोहननीयरेंआ
वत । ग्वालनयेंआवननहींपावत । इकटेरैंइकपा २०
इनपरै ॥ एकनिसंकअंकलेमरैं ॥ इकपाछेंइकतिर

छैमेटैं। इकसुषिकरतषेलकाहे॥ ईकमनिमालगरैतैं
लैंही। गुंजमालताबदलेदैंही॥ मुक्तमालसोंमननहि
मानैं। गुंजमालअमोलकरिजानैं। मोंहनकैमनत्योंत्यों
नावैं। ज्योंज्योंमालगुंजपहरावै। जरतारीचपरनांलेंहिं
।ताकीसाटकमरीयादेहिं। रीझिरीझिजडबंसीपरैं॥
डुषसुषअचिरजहांसनिमरें। कूकतकूदतअछरतफू
लत रोवतहसतगारोगहिफूलत। सबबिधिसबकौकी
योसबोध। चकितलेतजसुमतिकोसोध। तबहरिगए
जसुमतिपैदौरि। जहांनारिनकीसांराजोरि। जायपरे
पायनमनचाइन। जापगबंदेंराजाराइन। सुधिबुधिग
ईपगनिकैंछूवै। सबदुषमोचनलोचनचूवै। जसुमति
अचिहियसौंलाए। संगसुबनकेहिंनसुधिआये। सुह

॥ चूमैं चितवै मुरझाई । मूंछनि छैछै लेइ बलाई । राजसा जल
षि निपट सिहाई । जसुमति फूली अंग न माइ । तू मति रि
वै मेरौ नाई । तेरौ रोजन देष्यो जाइ । सुनऊ बात मन मोंम
हन प्यारे । अब हिं न मोते होऊ न न्यारे । इहिं बिधि बाबा
नंद ही मिले । बालापन जासौं हे हिले । नंद महर देष्यो गो
पाल लोटन लग्यो बिकल बेहाल । सूझै कछु न क काई आ
ई मचलि गऐल रिका की नाई । कबहू नंद सुर तिमैं आ
वै । क बहू महा मूरछा छावै । दषि गुपाल अबेड सराई । जा
इ नंद के बंदे पाई । गदगद सुर कहूं ऊ निडकराने । सुंद
र स्यांम रोय कहा जानैं । हाहाकार पस्यो इक नारी । का
हू तहां न सुरति सं नारी । इक अछरै इक पछरै कूकै । इ
क टकटकी सस हरै सूकै । नत रि गए इक इक सुधि न

ले।एकचेतिहरिदेषैंफूले।तेकहैंअवकंसनारोआई।दे
षौकाहिनआगबडाई।इकयौंकहैदइरेदई।चेतोकाहि
नकैसीभई।येककहैरेढाढसकरौ।जीवेकेदिंनकाहे
मरौं।नांकमूंदिछीटामुहदेऊ।नारीनरजीवाइकिंनले
ऊ।इककहैहमधनिहमधनिमाई।नैंननिदेष्यौआज
कन्हाई।येककहैरेछाडऊनीरहि।देषनदेऊनैंकब
लबीरहि।ऊपरगिरतपरतक्यौंआवत।।अतसुरव्यौंमबि
माननिछावरत।तबहिचेतिसबकौंसुधिआई।।कहौ
कौंनसुषमिलनबडाई।जैसैसेनातेकीभई।तैसैते
सेईमिलगाई।नांतेअननांतेकीटूटी।हरिरसछकी।।
छबीलीछूटी।नांकोअकाहूमांनैंजांनैं।तौकोऊकलो
कलाजमनआनैं।नीरभईजिततितकुलबहू।कोऊ

12 षरीकहूंकोऊषरीकहूं।ठेलिपेलिइककहरिलौंआवै।
परसतपाइपरमसुषपावै।इकरहीदूरिकहैदिषरावौ
।हाहारीइमिप्यासबुझावौ।इककहैअचकिअचकिह
मदेषे।मोहनमनोंचित्रकेलेषे।इककहैहमकुंडहि
मिलिजैहैं।करिडुरिपैविपाइमहिलैहै।इकवाढीतहां
गुंघटवारी।सबतेबिकललाजकीमारी।मनमनइषि
तउसासैलैही।मनकौभेदनकाहूदैहीं।एककहैहां
तौमिलिआई।कहीयेकहागुपालबडाई।लोगनकौ
हीगुमांनीदईया।जोदेषैतौवहैकन्हईया।छोटीकहै
हमैंअचकावौ।अपनौंकान्हरहमैंदिषावौ।इककहैउ
मतौदेषिरहीहौं।अजहूंइकटकरहततहींहौं।इक २२
कहैउमतौदेषिरहीहौंयाकौदेषतमात।दईकरै।

जोटूटतजात। एककहेहमतरसीमरें। केसेंदेषैंकेसीकरें॥ एककहेजोमोहिदिषावे सोमेरेआनन्दषनपावे। बडीबडो सुषदेषतदई। होनांन्होकाहेकोंनई। तबहीचलीललिता लेकुंम्द। सबकेबीचगडायेंमुंड। पायनपरतचुहटीया॥ लांनी। प्रीतप्रतातमप्रगटहीकीनी। नहिरहसकततक ताकोंहें। करिकरिलोचनललितलजोंहें। चंद्रावलीति हीगतिआई। आइपाइपरिनारिनवाई। नालचरनघसि ओवलगाये। ओवलगायकाटिपुनिषाये। कछुयकमी वीकाटनिकाटे। तापीछेहरितरवाचाटे। मनमेंकहत॥ बातनहीओर। निपटजिवायेसोरानोर। तानरजसमैंह रिमुषसूके। ओरनकाहूकोंजबूके। तबरधाइकर्कुंडन मिली। मिलीसबनारिस्यामतनपिली। राधाबिरहतपत

13

१२

13 कीताई कंपति चंपति हरि ढिग आई नैंननि तैं नातोज:
लपरै घूंघट भीतर नट की फिरैं ते अंसुवा हरि पग परध
रै मन कै अंगनि की चिंनगी जरै हरि मन कहीं कोंन यह
आहि इती तपति तन ब्यापै जाहि छुयैं चुवै ढिग सीत
लपानी ईंन लच्छन करि राधा जांनी पायन परी डरी बि
ललाई डरि डरि पगन की लेत बलाई अतर है मोहन
कन्याई देह न नैक संनारी जाई मन मैं तिय सिस्चर
न बनावै निज चरननि निज सिर वहरावै जब यह स्यां
मनावन नां धरै तब सिर पग नित न्यारो करै जांनि स्याम
घन अंतरजांमी श्रीराधा रांननि की रांनी अतते दोरि
गिरी ही आई इतते कहा कोंन ले आई कबरि धाइ जो दे २३
षे आइ लाज लुभाई हाय घन पाइ धाइ ल्याइ हिय कबरि

न्हवाई लषरी पधरी लैनों लोघसीलाइ सबबसषियन जु सिखो
टबनाई पटकैहाथपावमुरझाई उचकचमकमुषपर
पियराई कोमांनैंबहोबिधिसमझाई षहरपहरआवे
परसेव छूटैकहांलग्योहरिदेव जबक्यों क्यों सु
धिजागी तबहीकुवरिकोंहिलगीलागी सषियननि
पटअरांहनौदीनौं डरपिसकुचितबघूंघटकीनौं।
अतिगंभीरररसिकसुषकारी अेममगनसबदसासी।
भारी एकहरितैलेइबलाई चारिफेरिहाथनिचटका
ई। इतिश्रीकरुनाभरननाटिकलछीरामकृत ह
जमासी।मिलापबरनन।।चतुर्थअंक।।अथपंचम।
चौपई। नांनाबिधिबाहनलैआए हरिहीलोंबलिदाऊ
आए वेहीमिलनमिलेबलबीरा कहूंकहांलोंबातगं।

14 नीर । जथाजोगबलिहरिलोंभेटे । तनमनमैंनसकलदु
षमेटे । सुभटटहलवाअसबक्रबाढे । बालमित्रजिंनतन
मनचाहे । इकसरीकगुईयांअनषीले । इकरूषेइकपर
मसुसीले । इकऐगएचतुरवगोल । एकबुलईयांमीवेबो
ल । इककपटीअतिइकपैवारे । इककमिलापीसबह
रिप्यारे । इकमुरहरीयाग्वालगंवार । चाकरदासीदास
अपार । सबकोमनसबजानातिनराष्यो । कहोंकहोंलों
परतनभाष्यो । नंदजसोमतिबिंनतीकरैं । अबतोहमा
ह्यातेनहीटरैं । पूतनऔरबिचारबिचारक्र । चरननते
मतिमारिबिडारक्र । हमतेरोह्यांकछूनषेहैं । तातेंबि
छुरतहीमरिजैहैं । गांयनसबेदूधकीसूषी ॥ हरिदरस २५
नकीआतरजुषी । कहेपसुनकीकोंनचलावे ॥ कोंन

हमारे मनकी पावै। काहे हम गोपाल बिसारी। बचन
हीन पसु जोंन्ह बिचारी। यह कहीसि मटिसबे दस्सां
नी। जित तित ते गईयां अरूरांनी॥ दौर ति वठु कत्तिचम
कत्तिदोरत्त। बिंनु देषैं पल जुग सम वितवति। देषत हरि
हिमचलिसब गई। मनमोंहन आंकोंम्नरि लई। हितन्न
रिहाथ पीव परफेरत्त। निज्ञरि निज्ञरि हरि मुषतन हेरत
लै लैनाम्न निस्यांम बुल्लावत। देषि ह्बरी आसू आवत
गायन्निके नातेन्नवतावत। त्यों त्यों लोग परम सुष पावत
यह षैं जननि की धूमरि नातनि। इनमो हि सुषदीने बहौमां
तिंन। यह का जरि की बेटी धौरी। धौरी की बेटी सिरमौरी॥ ६
न के दरसन नैंन अघांने। टहल करत दिंन जात नजांने॥
रज परसत तन पावन नयो। इके निकट परम सुष लयो॥ ६

15 नकौदरसमहासुषकारी। टहलमहाजिंनकी ध्रमधारी। रुज
इनकी अतिपावनआई। इनकौ निकटसदा सुषदाई। राउ
लिमकुवरिहांसुनिपियरी। एसबबोलिलईहरिनियरी। बि
सरिगएजगमोंहनतिंहिछिंन। बालपनाकेसुधिआयेदिं
नइहिंबिधिगांयनसोंमिलेहरी। जनमभूमिकी सबसुधि
करी। लोचनललितलालकैगए। सुधिकरिमोहनजलभ
रिलए। मुच्यौनलोचनतेपलनीर। गईयनिकूजांनीयह
पीर। कहीयनजाइमिलनहरिहीकी। पुजवत इछांसबके
जियकी। सबजडबंसीअचिरजभए। नागररीफिरीफिसब
गए। कहीनजाइहरिहीकीबाता॥ जैसनिसोंतैसेकैजातैं
। यहकुरवाकोरहसमिलाप। यहनोंतौयहसुषसंताप॥ २५
यहमिवबोलीयहपरतीत। सबहिंनतैंन्यारीकछुरीति।

16

द्वारावतीनगरकेलोग। अचिरजभएदेषिसंजोग। बलिदा
ऊ अरुकुवरकन्हाई। कहनलगेअसवारीआई। जथा।
जोगबाहनसुचढावौ। राजतेजकीचालचलावौ। कनकछ
रीअरुरतननिजरी। तेअगनितनृपनपरपरी। नीरभइना
रीन्हहरांने। ईहबिधिलोगमहलमैंआनें। नीतरिजातनका
हूरोकौ। औरकहामुषकूमतिटोकौ। फूलेसबेसमातनगा
त। अतिसूषतेमनफूलेजात। दौरिमिलेनंदहिबसुदेव। मि
त्रमित्रकोजांन्योंभेव। नैननीरपरबाहबहाए। जसुमतिदे।
वदेवरपाये। नांनांभांतिबिछौंनांकीनें। तहांछाडिब्रजबा
सीदीनें। देबीअरुबसुदेवजहांई। इनसबहिनलेगएत
हांही। जसुमतिकहीनृपतिकीमाई। हौंश्रीजदुनंदनकी
धाई। सुनौदेवकीसाचीकहौं। रूपकछूतौयाबिनछिनर

16 ऊं। जथाजोग्यसबसबकौंमिले। हरिकौंदेषततनमनषिले
।श्रीवसुदेवकहीहोनंद। उमहिमिलतनासेदुषदंदु। उम
तेअरिनहोंकुनकबहूं। तीनोंलोकसुनीयहसबकुं। प्री
तिनिबाहीअरुकुलतास्यो। हमपरनहींकछुअनपति
पारौ। रांमकृस्नउमहमकोंदए। कीएउम्हारेराजाजए। त
बगोपीदेबीपगपरी। कुवरिराधिकाअंकनिभरी। राधापा
यनपरसिरधस्यो। देवकीपकरिसांमुहेकस्यो। गोडीगहि
जबदेष्योरूप। सबरांनीनिरूपकौरूप। देवकीकेमनमेयु
हमई। क्योंकरिहरिपैंछाडीगई। नीचीचितवैंगूघटकरें
।स्यांमकनषीयनिरीझेंपरे। श्रीदेवकीसबबहूबुलाई।
जसुमतिकेमिलबेकोंआई। श्रीव्रजरीयाकरकुञालासा २६
पायनपरिपरिभेटकुसासा। श्रीरुकमनिकुलहनिरसा।

नरी। ब्रजदूलहसोंबिनतीकरी। होंकरिहोंमेरैंमनिआई

।राधाप्यारीकीपहोंनाई। जोकृपालईहिबिंनतीमांनो॥

तोकरूंआपसुहागलिजांनों। धनियहबरसमांसपषदिनां

।धनियहपहरघरीअरुछिनां। स्यांमकहीलेजइयेधांम

।तेराउरनकीजेकांम। तबराधारुकमनिढिगआई। बां

हयकरिहसिमेंटिगआई। अपनीवोटवलोलैराधहि। सक

लभांतिकीपुजवनिसाधहि। वोटआपनीलईलगाइ। घूं

घटसोभाकहीनजाइ। रुकमनिऔसोरसकरिलयो। जे

सोरसहरिजूसोंभयो। कहोंकहारुकमनीबडाई। सुषदा

ईकीअतिसुषदाई। हरिरुविजानैंअतिसुषदीनौं। सषि

नसहितहितआदरकीनौं। एकएकतेंरूपआगरी। निर

षिअचंभैरहीनागरी। सुषदेपनकोंहरितहांगए। फूले

17 फालेउगागनिछये। सतजांमांअरुओरैरांनी। बोलीमधु
रमनोहरबांनी। जासोंहीबालापनयारी। सोहरिहमहि
दिषावऊप्यारी। एकबैसइककांतिएकगुन। इनमैंरूपआ
गरीकोजनु। सतिजांमांबऊहाहाषाई। राधाघूंघटमैंमुस
काइ। आनंदघी सिरुअनपहचांनि। नीचीनारिनिहारेपां
नि परमचतुरसतजांमांरांनी। घूंघटउवतकुंवरिपहचां
नी। देवांगनारतितिंहिनहिसमकी। नीलंबरजनुचपला
चमकी। देषतनेकरहीमुरकाइ। सिगरीक्योंकरिदेषीजा
इ। तबहरिहसिघूंघटषुलवायो। सबरांननिकोगरबग
मायो। सतजांमांराधाढिगआई। राधासकुचनिनारिनि
वाई। गोडीगहिजबबदनउगायो। स्वाससुगंधसदनस २७
बछायो। नवनचतुरदसमैंछबिजिती। मोंहनदईकुंव

रिकोंतिती । राधाहिदेषिसबनतनदेषैं । इकंज्ञनिपरसपर
रूपबिसेषैं । सबबातनिज्ञपहारीकहै । राधासमसरकोक्र
नलहै । तबनिजमनयहपतिब्रतआनैं । इतनीबातअधि
ककरिजांनैं । यहपतिब्रतदूषनदेहै । तबनिजुप्रीतिरा
धिकाकहै । अबतोलाजनिबोलतिनांहीं । पैयहसबराधा
मनमांही । तबब्रजइहलहअैसेंबोले । नीकेंकरिसबकोइ
गषोलैं । ब्रजतेंइकटोंनाहेआयो । सोमैंमूरतिवंतदिषायो
। एकैटोंनांयाजगमांहि । यांटोंनांसमटोंनोंनांहि । सुषिब
सकस्योजुचाहैकोइ । नीकेंराधेसेवोसोइ । सुनिरुकमा
निजूकैमनआई । यहटोंनांबिधिनांमिनपाई । तनमना
कुंवरिराधिकादयो । हरिबसहोअरुओरैभयो । तबरूक
मनिनूषनपटआंने । पहरेजेराधामनमांने । अपनेहाथ

18 निभूषनन्नरै । इहिंबिधिरुकमनिटोंनाकरै । औरैसषीसिं
गारिसवारी । सतन्नंमामनक्कढिक्कढिद्वारी । अमितसुगंध
निडुंदन्नगाये । तेनिजकररुकमनिन्नलगाये । इतहिसिद्ध
जबभोजनन्नए । नंदजसोदापेन्नविगए । रुकमनिब्यंज
नबहौतबनाए । अगनितस्वादनजातगनाए । भोजनक
रनसकलतियलागी । जदुकुलगोपनारिबडभागी । रूप
टबचनसतिनामायोषै । बांनीमधुरीअरुमनचोषै । कहै
करौंजिंनऔरन्नरौसौ । दूधदहीअरुमहीकुरौसौ । षाटीजो
निसबैन्नविभागी । रुकमनिराधाबातबिलागी । इतहरि
नंदजसोधहिदेषे । देवेअरुबसुदेवसुपेषे । निसदईहि
लतमिलतकरिभोग । सेजबिछाइजोगाजोग । तबहरिअ २५
पनेमंदिरआए । सबकोंसुषदीनोंमनभाए । रुकमनिराधे

सज्यासखाय। आईस्यांमपलोटनपाइ। पाइपलोटतनीं
दनपरे। ह्वतराधासज्यातरफरै। मोंहनकहीकह्यौइक
करिहौं। होंसबवाकेजानतनेव। यहवाकीबारेकीटेव
।यहवाकेसोवनकीबेर। मईयाकरतमेवनकेढेर। तब
राधाहिंनींदजबआवै। तबवहिदूधपीवनकौपावै। ता
तैंनींदनपरईताहि। यहमोबिनसुधिआवैंकाहि। पाय
पलोटततेउविधाय। रुकमनिराधाजागतपाइ। कनक
टोरैंदूधजुपायो। हलवलमैंनहींगयौसिरायो। तातोदूध
प्यायकैंआई। दावनपायलगीसुषदाई। दावतपायपैंवि
पगलयौ। सीतकारहरिजूकरिदयो। रुकमनिकहैकहा
मैंकीनौं। पायपैचिसीक्योंकरलीनौं। तातोदूधपीयोहम
जरे। तातैंपाइनछालेपरे। दूधपीवैराधाउमजरौ। चुपर

राधहिंनीं
दकोंइक
रिपरिहो

19 हौबातअटपटीकरौ।सुनिप्यारीनहीबातअटपटीराधा
मोसोंरहैअतिनिकटी।मेरीइच्छामिलनअभिलाषै।निस
दिनचरनछंदैमैंराषै।यातैंइषपगनपरपस्यौ।तातैंरुक
मनिकुंह्यांजस्यौ।रुकमनिबातजांनिकैलई।इजकैप्रे
ममगनकैगई।सुनरिकहीउमदमैंननावत।चरनकव
लमोछंदैनआवत।हरिकहीमोपगतोहियनांहि।रु
कमनितोपगमोहियमांहि।बातनंजीतेकोउमलायक
।सबलायकतूदछिननायक।मंदिरमंदिरनोगतनो
ग।इकइकिनसकईजहांबियोग।तहांइकराधाबिरहै
बावरी।कहैसषीसोंस्यांमलावरी।कहांरह्यौमनमोहन
प्यारो।जोइकपलनहोतहौंन्यारो।घरघरसकलसुहा २९
गनिसुषीया।हौंहीनिपटनिगोडीदुषीया।योंकहिअ

बिबैगीमुरझाइ। फिरिफिरितलफितलफिबिललाइ। ज्ञां
तिज्ञांतिसबसषीसमुझावै। धीरधरौआवैजूआवै। सषी
परेषौकाकौकीजे। ऐसीआवतिहैज्योंदीजे। जिततितते
हरिआयहिगयौ। कुंवरिबिरहघरघरकौगयो॥

20 घरिघरि बिपति करै मनभाई। कोंम बिरह अन पाई पाई
। मारत जारत पटकि पछारत। लीजइ लीजइ करत पुका
रत। सब ब्रजतपति महल मैं फैली। हरि सुष लुटत कुब
रिसुं सैली। ए आंनंद परत नहीं कहे। मांनउं कबहुं बिछु
रेन है। हिलत मिलत भुज ग्रीवां मेलि। करि ब्रंदाबन वा
री केलि। सुरत जुरत नहिं मुरत मुरायैं। सब जग अघ लज्ज
२ न के नायैं। लिपटत लपटात लगि लटकत। अधर मधु
र रस घूंट निघूंटत। उरसों उर लागत दुष भागत। न बच्छ
त देत अरुन कै जागत। अधर कसक सुष मैं सुधि आ
ई। बिरह बिथा ब्रज कौ दुषदाई। आवत ही आइ मुरझा
ई। यह रस रीत कही नहिं जाई। चेति कही का हेरे पापी। २०
अति आधीन तिय निसंतापी। यतनै दिंन निकहो कहां

रह्यो। निरदय कुटिल कुबरी योंकह्यो। मनुमनायह
रिसुधि बिसराई। करन लगों रुचि जो मन भाई। हरिकों
चूलि गई रज धांनी। उत ग्रहरांनी सब बिललानी पेवात
पत निरु कमनि तई। जनु राधा मिलि राधा नई। अति आ
दर दीनों हरि मन मैं। रुकमनि कौं जानत ब्रज जन मैं॥
इति श्री करुनाभरन नाटिक रुकमनि अवस्था
पंचम अंक॥ ॥चौपई। इहिं बिधि बीते बा
रहों दिनां। ब्रजबासी निजां ने इक छिनां। तब देव की
हरिजू सों कही। तोहि कछु सुधि बुधि नहिं रही। वह बेर
नि मैं धारापुरी। कहत नो हि लागेगी बुरी। चल कुजाइ घ
र की सुधि कीजे। नात रु राज नीत सब छीजे। हरिजू का
ही बिदा अब करो। काहे कों ऊ च ताई भरो। नंद महर ब्र

21 षप्रांनबुलाए । कहीयेधनियहदिनमनन्भाए । बकतहिं
ननिमैंतुमसोंमेटे । तुमबिछुरनकेसबडुषमेटे । तुमतेन्या
रेनयेोनजात । बिनतीकरतकंपतसबगात । कहौंकहा
कछुकहतनआवत । रसनांकहतमहादुषपावत । रछि
कनांहिद्वारिकाकोई । तहांजांहिजोआग्याहोई । इकुप
रदेसरिपुनमैंबास । नांउरहमनहीछोडतपास । तातैंह
मकोंआग्यादीजे । आपुनक्रंब्रजकीसुधिकीजे । देषिनै
दअरुजसुमतिमाई । मोंहनरोयेनारिनवाइ । तकिमुष
रोयेजसुमतिनंद । ग्रीवांपस्योबिपतिकोफंद । कहेक
न्हीयाहमकोराषि । लोटनलगेबचनअसभाषि । उन
देवैबसुदेवरुवाये । बिंनरोयैंकोअबचननपाए । नंदक २२
हेसंगमोकौंलेऊ । महरिहिघरहिबिदाकरिदेऊ । महा

रिकहीउममहरपक्षारङ्कं। बहोरिनकोऊबातबिचारऊं

।लोकबेदकीतजिहोंलाजहि। देषतरहिहोंयाह्रजराजु

हि। हरिकरोमतिदेवकीमाइ। होंतेरेकोन्हकुंवरकीधा

इ। धाइनकोतोआदरकीजइ। असनबसनअरुबऊधे

नदीजइ। मेरोगोधनअरुधनलेऊ। मोहिकन्हईयादेष

नदेऊ। हरिउपनरिमुषनीचोकरे। टपटपलोचनचैचेप

रे। पांचसातमिलिमिलियोंकहैं। सबनिजोनदेऊहमह्यां

रहैं। इहिंबिधिसबेमतोजबकरैं। तबऊतयातकोंनकेपरें।

सबकोपैडोसबकोऊदेषे। जडबंसीहेहेपैनेषे। श्रीबसु

देवकहीहमजागे। एतोकोऊकदेनलागे। हमतोसब

कहिहीकहिहारे। रतननैंकुअेममेंजारे। तबहहरिमा

याअपनीताकी। बऊहह्माडऊहाईजाकी। देवअसुर

२२

23 सुरनागनिछरैं। जोचाहैंसोसबकोंकरैं। जबबिरंचिहरि
बछरालये। बैसेहरितबकीनेनए। जामायासोंबिधिसे
मोहे। तामायामैंब्रजबासीकोहैं। सोमायाब्रजजनपरडारी
। इनचलबेकीसोंजसवारी। चलीयैचलीयैंसबउच्चरै। रां
मोरांमनकोंककरै। सिगरिनकौतिकदेष्योनयो। दषतम
हाअचंभौनयो। तामैबडौअचंभौयेक। प्रेमीकरिहैंप्रे
मबिबेक। जामायाकीइतीबडाई। तामायाराधानहिआ
ई। कुवरिप्रेमकीदीछयेजुछाया। हरिकीकोंनबिचा
रीमाया। चैंटीवपुरीकहाबलकरै। जबहाथीकेपायत
रपरै। ब्रजकेलोगजातसबनए। आपआपनेधंधेकेलयो
राधारुकमनिकेघरमांही। बहोतकरीपरनिकसेनां २२
हीं। तबहरिकांसबरांनीआनी। बिंनतीकरैमधुरबर

बांनी । राधा तू अति चतुर सयांनी । कौंन बात हव कीयैं हवां
नी । सुनैं कौंन का सौं को नाषैं । कैकल्यां तिमरन अभिलाषै ।
बिष न षि पेट कटारी करौं । ता पर डूबि सरोवर परौं । पुनि
अकाल की मृति बिचारी । पैं हरि हेत परम गति कारी । यह
कहि कूदि सरोवर परी । सीतल भई बिरह ज्वर जरी । कंवस
मान भयौ जल जहां । परम अगाध नीर हौत हां । तब सत भां
मा वामा बोली । मन की कुटि निजी नसौं षोली । कंत परायौ
चाहत जोरनि । षिजि षिजि षिजि चितवति लोचन कोरनि ।।
कौंन जाय ब्रज घर कनि बैठति । बाद पराए घर मैं पैठति ।
जब लग हेरा कारे बारे । तब लग देषे चरित तुम्हारे । अब तौ
ए जदुपति जगनायक । ग्वाल गवार तुमारी लायक । तजै
न लोक बेद की चोर । कुल नारिन की बातैं और । माता पि

23 ताजासुगहिदैहि। दुषसुषमांनितासकोलैंहि। मरतजीव
तसंगछोडैनांहि। येलछिनकुलबधूनमांहि॥ राधिकावा
क्य॥ बेदबचनपुरांनएगरा। जिनपायेतिनिप्रेमहियपये
। अबउत्तमसुनौप्रेमकोलेषौ। दिब्यद्रिष्टिकरिमनदेदेषौ
। जिंनहरिजूसोनातौजांन्यौं। मंदनामतिंनिकछूनमांन्यौं
। जेप्रेमीतेसबकेसिरै। जिंनपीछेंहरिलागेफिरै। नातेके
धोषेजिनभूलौ। बरनकुलीनगरबमतिफूलौ। माता।
पिताबधायोनेम। तासोंकहीयैनेमकेप्रेम। अबलोंप्रे
महिनेमबषानत। प्रेमनेममैंभेदनजांनत। मनमेंप्रे
मसुतौअबरह्यौ। मुषकरिप्रेमअरथतौकह्यौ। जिंहिबन
गाजैब्रजगपतिप्रेम। तिंहिंबनकोबपुरागजनेम। नांतौक २३
रतप्रेमकेकाजहि। पूछिदेषिअपनेजडराजहि। प्रेमब

डौनायौहैतौतिंहिं।पूछिदेषिरुकमनिबडसौंतिंहिं।तू
अजानैनेकनहिमानैं।हरिजानैंकैरुकमनिजानैं।यह
तौजगमैप्रगटबडाई।तौपितहरिकौंचोरीलाई।मनि
कीचोरीकितकूंगई।तबतूनएंबिसानैंदई।हरिकौका
जकहातैंकीनौं।जगउपहासमूंडपरलीनौं।लोकबेदति
नुकाकरिजांन्यों।सुकुलकुकुलतोमननहिंनआन्यों।।
तैंहरिकाजकौंनसीकरी।कितकितकीकठिनाईपरी
।ज्यौंज्यौंछिदैबोलतसूल।त्यौंत्यौंतनमननैंननिकूल
।तैंहरिहितअनहोंनीकीनी।करिकरिआगपानावरि
पुनिलीनीं।औसीअवलौंकाहूनकरी।ब्याहगरबता
तैंतूनरी।जितदेषौंतितब्याहेब्याह।पैवहकहाप्रेमनि
रबाह।अविअरसनेहसुसीलकहावत।एजगमैंसिषये

24 नहिं आवत लोक कहे तन छांडि परलोक । तिंन लीने नर कम
के औक मो हरि रस गावत सब छौंनी । बर धन कछु यो कछु दी
गोंनी । सति नां मां देषो मन मांही । तिंन तिली यन अब ते लो
नां ही । पकरैं रहो नेम को छूट । देषो कि हिं करि बैवै छूट । म
न की षोट छ्वै पै जागि । घुसे न घास घुसेरी आगि ॥ दोहा ॥ अ
ब वै वा तैं कै गई । अरु सुहाग व्यो हार । औसर चूकी डूमरी
गावै आल पताल ॥ २ ॥ नेम न देषन पांवही । जहां प्रेम को
नांव । कंत न बूझै बात री । मोहि सुहाग नि नांव ॥ ३ ॥ काक
करे डाहों सहो । औसौ वह हरि साथ । राइन माइन जास को
षडा बराती हाथ ॥ ३ ॥ मो सम तेरे प्रभु नहिं कहा चढाव
तिनोंह । जौ इह हरि हिन बूझिहै । तो हरि ही की सांह ॥ ५ ॥ २४
श्रीकलमचंदवाक्य ॥ सति नां मां झ्न सति कही । इह श्री

तिमसिरमोर। याकीगतिकछुऔरहै। तेरीगतिकछुऔ
र॥५॥ अमन्नस्योसाहमन्नस्यो। दीनौंबचनसुनाय। श्रीरु
कमनिबिंनऔरतिय। सगरीरहीबिसाय॥६॥ तूसरव
रःगिरिक्योरही। निकसिबाहिरीआव। जोबिधिचाहत।
हैकस्यो। सोतूमोहिबताव॥७॥ तबराधाऐसीकही। स्यां
ममांनिमनलेऊ। जोहोंमांगतिहोसही। सोमोकोंतूदेऊ
॥८॥ जौतूमांगतिहैअबे। सोहीदेहूंतोहि। नंदमहरब
सुदेवकीसहसपतहैमोहि॥९॥ चरनसोंहउमएक।
दिस। सकलसोंहदिसयेक। यातेमेरेसोंहनहिं। मनक
रिदेषिबिबेक॥१०॥ तबराधाऐसीकही। तौंबृंदाबनजां
ई। कैसंगनितबिहरौंसदा। कैयासरहिसमाई॥११॥ एव
मस्तुहरिजूकह्यौं। तबआईसरतीर। श्रीरुकमनिसुष

25 पाय कैं पहराएन वचीर ॥२२॥ रांमरांमसबहिनकरी मि
लेजथामतिजोग । निधिवृंदाबनलैगाई । निसिदिंनत्रो
गैनोग ॥२३॥ बेजमुनांबेईलतावेतमालबेकुंज । वेईक
मलकमोदनीबेनवरनकीगुंज ॥२४॥ जिंनकेतनमन
प्रेमअति । तेदसतसुषसार । वृंदाबननितहीरहत ।
राधानंदकुमार ॥२५॥ इति श्रीकृष्णानंदनागनाति
का । [illegible] ॥ मि
[illegible] ॥

२५

श्रीगणेशायनमः सवैया ॥ सेसकेसीसविराजतहै छितईंदविदिने
सविराजतजौंलौं ॥ ध्रुवमेरसुमेरसोरहो थिरराजमहेंद्रहरगेस
कहौलौं ॥ होयहगंगचलेसुमयारसुदेवअदेवनकोसुषकों
लौं ॥ होतपदायसकौरजीकेकविदेतअसीसजीओचिरंनौलौं ॥१॥

२८
२० जा
१
26

॥श्रीगणेशायनमः॥अथरसराजलिख्यते॥दोहा॥होइना
इकानाइकहिंआलंबिनसिंगार॥तातेंबरनोंनाय
कानाइकमतिअनुसार॥१॥नायकालछनबरननं
दोहा॥उपजतजाहिबिलोकिकेंचित्तबीचरसभाव
ताहिबखानतनाइकाजेप्रबीनकबिराव॥२॥सवैया
कुंदनकौरंगुफीकोलगैझलकैंअैसीअंगनचारु
गुराई॥आंषिनमेंअलसांनचितौनमैंमंजुबिला
सनिकीसरसाई॥कोबिनमोलबिकातनहींमति
रामलहैंमुसक्यांनमिठाई॥ज्योंज्योंनिहारियैनीरें
ह्वैनैंननित्योंत्योंखरीनिषरैसीनिकाई॥३॥दोहा॥
तमकनअरुनएडीनकीकिरनिसमूहउदोत॥बेंनी

मंडन मुक्तके पुंज गुंज मृचहोत ॥४॥ रंध्र जाल मग कैक

है तियतन दीपत पुंज ॥ ऊ झिया के सो घटु न्हयो दिन

हू में बन कुंज ॥५॥ अथ नाइका भेद वर्नन ॥ दोहा ॥ कहो

नाइका तीन बिधि प्रथम हि सुकिया जानि ॥ परकी

या पुनि दूसरी तीजी गनिका मानि ॥६॥ सुकिया लछ

छन ॥ लाजवती निसुदिन पगी निज पिय के अनु

राग ॥ कहत जु सुकया सील मय ताको पति बडभा

ग ॥७॥ सुकया को उदाहरन ॥ संच बिरंच निकाई

मनोहर लाज तें मूरतवंत बनाई ॥ तापर तो परमा

गबडो मति राम लसे पति प्रीति सुहाई ॥ तैरसु सी

लसुभाय मनूकुलनारिन कों कुलकांन सिषाई ॥

तैं ही मनो पति देखता के गुन गोरि सबै गुन गौरव
पाई ॥ ९ ॥ दोहा ॥ जानत सषी सुनीत है जानत सोत
अनीत ॥ गुरजन जांनत लाज है प्रीतम जानत प्रीत
१० त्रिबिधि सुकया जानये प्रथम हि मुग्धा नाम ॥ म
ध्या पुनि प्रौढा गनौ बरनत कबि मतरांम ॥ १० ॥ अ
निनवजोबन आगमन जाके तन मैं होई ॥ ता
सों मुग्धा कहत है कबि कोबिद सब कोई ॥ ११ ॥
मुग्धा को उदाहरन ॥ नेक मंद मधुर कपोल मु
सिक्यांन लागे नेक मंद गमन गयंदन को चा
ल मो ॥ हंच उंचे अंचल उरोजन के अकुरन बं
क दीठ नैन जुग नासिक बिसाल मो ॥ मतिरांम

मुकनिरसीलेकछूबैनभयेबदनसिंगाररस
बेलिआलबालमो॥बालतनजोबनरसालउ
लहतलषिसोतनकैंसालमौनिहालनंदला
लमो॥१२॥दोहा॥आगिनदजोबनजोतसोंजगम
गहोतबिलास॥तियकेतनपानिपबढैपियके
नैननप्यास॥१३॥मुग्धाकेद्वैभेदबरभाषतसु
कबिसुजान॥एकअग्यातजोबनाज्ञातजोबना
आंन॥१४॥निजतनजोबनआगमनजोनहि
जानतनारि॥सोअग्यातजोबनाकहीबरनत
कबिनिरधारि॥१५॥सवैया॥बेलनचोरमिही
चनीआजुगईकुतीपाछिलेद्योंकीनाहीआ

३

र० ग्र
३

२४

लीकहाकहोएकमईमतिरामनईयहबाततहाही ३

एकहीभौनदुरेइकसंगहीअंगसोंअंगछुवायोक

न्हाई॥कंपछुटोघनस्वेदबढोतनरोमउठोअ

षियामरिआई॥१५॥दोहा॥लालतिहारेसंगमैंषेलैषे

लबलाइ॥मूंदतमेरेनैनहोकरनकपूरलगाइ॥

१६॥निजतनजोबनआगमनजानपरतहेजाहि॥

कबिकोबिदसबकहतहैंज्ञातजोबनाताहि॥१७

उदाहरन॥कोननिलोलागेमुषिकयांनप्रेमपागे

लोनेलाजभरेबिलसतलोचनअनंगतै॥नारु

भुजंकोधरिफुलावतचलतमंदअंगौरेओपउ

लहतउरजउतंगतै॥मतिरामजोबनपवनकी

ऊकोरंग आयेबाढतसरसरसतरलतरंगतैं॥पानि
फअमलकीझलकझलकनलागीकाईसीगई
हैलरिकाईमध्यगतैं॥१८॥दोहा॥इतेउतैसचकि
तचितैचलैदुलावतबांह॥डीठिबचायसषीन
कीछिनकनिरषतीछांह॥१९॥मुग्धाजहनयला
जजुतरतिनचहैपतिसंग॥ताहिनउंढकहत
हैंजेप्रबीनरसरंग॥२०॥सवैया॥साथसषीके
नईदुलही कौभयोहरिकौहियाहेरिहिंचल॥
आपगयोमतिरामतहीघरुजानइकेतअनंग
तैंचंचल॥देषतहीनंदलालकोबालकेपूरिरहे
असुवादृगंचंचल॥बातकहीनगईसुरहीगहि

हाथदुहूसोंसहेलीकोअंचल॥२१॥दोहा॥ज्योंज्योंवर
सैलालतनलपोंत्योंरापतगाय॥नवलबधूडरलाज
केइंदुबधूसीहोय॥२२॥होयनउछाकीकछूप्रीतम
सोंप्रतीति॥सोबिस्त्रब्धनवोढ्कहिबरनतहैंरस
रीति॥२३॥उदाहरन॥केलिकेंरातिअघानेनही
लगा
दिनहीमेललापुनबात[redacted]ई॥प्यासलगीको
उपानीदेजाइयोंभीतरबैठकेंबातसुनाई॥जिठा
नीपठाईगईदुलहीमतिरामहरेंहाँसिहरिबुला
ई॥कान्हकेबोलमैंकाननुदीन्योसोगेहकीदेहरी
मैंधरिआई॥२४॥दोहा॥प्रीतितिहारीसेजमैंहोंआ
वतगोपाल॥दयागहोबातनिकहोदुपुनदीजिये

लाल॥२५॥ जाके मन में होत है लाज मनोज समान
तासों मध्या कहत हैं कबि मतिराम सुजान॥२६॥
उदाहरन॥ चित्र में बिलोकत ही लाल को बदन
बाल जीति जिन कोट चंद सरद पुनीनि के॥ मुसि
क्यान अमल कपोलनि मैं रुचिबृंद चमकतौं
ननकी रुचि रचु नीनि के॥ प्रीतम निहारो बांह
गहत अचान कही जामें मतिराम मन सकल मु
नीन के॥ गाढ़ गहि लाज मैं न कंठ है फिरत बैंन
मूल है फिरत नैंन बार बरुनीनि के॥२७॥ दोहा॥ के
लि भौन की देहरी धरी बाल छबि नोल॥ काम
कलित हिय कों लहै लाज ललित दृग लोल॥

२८॥ निजपति सों रति केलि की सकल कला नि
प्रबीन॥ ता सौं प्रौढ़ा कहत हैं जे कबित रस लीन
२९॥ प्रौढ़ा को उदाहरन॥ प्रांन पिया मन भाव
न संग अनंग तरंग न रंग पसारे॥ सारी निसा
मति राम मनोहर केलि के पुंज हजार उघारे॥
होत प्रभात चल्यो चहै प्रीतम सुंदर के हिय मैं दु
ष भारे॥ चंद सौ आंनन दीप सी दीपत स्याम
सरोज से नैंन निहारे॥ ३०॥ दोहा॥ लपटानी अति
प्रीति सों दै उर उरज उतंग॥ घरी एक लों छुटे
यु परलगी रही सी अंग॥ ३१॥ मध्या प्रौढ़ा मान मैं
तीन भांति की जांनि॥ धीरा और अधीर तियु

धीराधीरा मांनि ॥ ३२ ॥ बचननकी रचिनानिसों विय्रह
जनावि कोप ॥ मध्याधीरा कहत है ताहि सुकबि रस
चोप ॥ ३३ ॥ उदाहरन ॥ तुम कहा करी काहूकों मसों
अटक परे तु है कौंन दोस सुतो आपनो यो भाग
है ॥ आये मेरे भौंन बडे भोर उठि प्यार हीते अति ह
रखरन बनाय बांधी पाग है ॥ मेरे ही बियोग रहे जा
गत सकल राति अंग अरसात मेरो परम सुहाग
है ॥ मन हू की जांनी प्रांन प्यारे मतिराम यह नैंनानि
ही मांम पायौ पति अनुराग है ॥ ३४ ॥ दोहा ॥ अंजौं उडा
वत होंन ही पीरन होत समाग ॥ छोर छोरया भोर के
दसे अधर दल दाग ॥ ३५ ॥ मध्या कहीं अधीरातिय

र० जं
६
31

बोलै बचन कठोर ॥ पियहि जनावत कोप यौ बरन
त कबि सिरमोर ॥ ३६ ॥ उदाहरन ॥ कोउ नही बरजे
मतिराम रहो जित ही तित ही मन भायो ॥ काहे कौं
सौहे हजार करो तुम तौ कब हू अपराध न ठायो ॥
सोवन दीजे न दीजे हमै दुख यो ही कहा रस बाद
बढायो ॥ सोन रह्यो ई नही मन मोहन मानिनी हो
य सो मानै मनायो ॥ ३७ ॥ दोहा ॥ बलय पीठि तरिवानि
भुज नउर कुच कुंकम छाय ॥ जितै जावमन भाव
ते तित ति विकाने आय ॥ ३८ ॥ मध्याधीराधीर तिय ना
यिक हत सब कोय ॥ पिय सों कहि कै बचन कछु
रोस जनावै तोय ॥ ३९ ॥ उदाहरन ॥ आजु कहा तजि

बैठी हौ भूखन ए सैं ही अंग मसबै अरसीले ॥ बोलत बो
ल रूखाई लिये मति रांमसनेह सुनौ तोरसीले ॥ को
न कहै दुष प्रान पियाए असुवान रहे भरि नैन लजी
ले ॥ कौन तिन्है दुख है जिनकै तुमसे मनभावन छैल
छबीले ॥ ६० ॥ दोहा ॥ तुमसौं काजे मान कौ बकु नाय
क मनरंज ॥ बात कहत यौ बाल के गरिआए दृग
कंज ॥ ६१ ॥ पिय सौ प्रगट न रिस करै रति तै रहै उदास
प्रौढ अधीरा जानिजे सो निजु सुमति बिलास ॥ धर ॥
उदाहरन ॥ वैसैं ही चितकै मेरे चितकौ चुरावत
हो बोलत हो वैसैं ही मधुर म्रदबानि सौं ॥ कबिम
त रांम अंक भरत मयंकमुषी वैसैं ही रहत गहि मु
जगलतान सौं ॥ चूमत कपोल प्रान करत अधर

रसवेसैहीनिहारीरीतिसकलकलांनसौ॥कहा
चतुराईठानीअतिप्रांनप्यारीतेंमांनजानि
यतकूषेमुषमुसक्यांनसौ॥४२॥दोहा॥लीबांह
नसोमिलीबोलीकछुनबोल॥सुंदरमांनजना
इयोलियोप्रांनपतिमोल॥४४॥उरदकेंपियकों
पियादेयसुमनकीमाल॥प्रोढअधीराकहतहें
ताहिसुकबिमतिचाल॥४५॥उदाहरन॥जाकेंअं
गअंगकीनिकाईनिरषतआलीबरनैंअनंग
कीनिकाईकोजियतहो॥कबिमतिरामयाकीचा
हब्रजनारिनकोंदेहअसुआंनकैप्रवाहभीजि
यतहै॥याकेबिनदेषैंनपरतकलकुमहकोया

केबैंन सुनत सुधा सो पीजियत है। औसे सुषमा रवि
पनंद के कुमार को फूलन की मालन की मार दी
जियत है॥ ६६॥ दोहा॥ जहां जहां साधिदेत तू फूल मा
ल की मारु॥ तहां तहां नंदलाल के उठै रोम तन चारु
६७॥ रति उदास के नाह को उर दिषरावै बाम॥ प्राण
धीरा धीर सो बरनत कवि मतिराम॥ ६८॥ उदाहर
न॥ प्रीतम आये प्रभात पिया गरहरा तर में रति चि
न्ह लियैं ही॥ बैठि रही पलिका पर सुंदर नैनन
वायकै धीर धरी ही॥ बांह गहे मतिराम कही नर
ही रिस मानि नीके हठ कै ही॥ बोली न बोल कछू
सतरा परयो मोंह चढाय तके तिरछौंही॥ ६९॥ दो

३२

१० जे

33

हा॥ आवत उठि आदर कियो बोले बोल रसाल॥ बांह ग
हत नंदलाल की भए बाह दुगलाल॥५०॥ बरनत जे प्र
कनिष्ट यों जह द्वै ब्याही नारि॥ प्रथम पियारी दूसरी अ
पियारी निरधारि॥५१॥ उदाहरन॥ बैठी एक सेज मैं
सलोनी मृगनैनी दोउ आयत हो प्रीतम सुधा सम मू
हबरसै॥ कबि मतिराम छिगबैठो मन भावन दुहुंको
हिय अरबिंद मोद वृंद सरसै॥ आरसी दिषै एक सौं
कह्यौ है निज मुह देषो जामें बिधु बारिज बिलास
बकुद रसै॥ दरपन सौं भरी व है दरपन देष्यो तो लोचा
रष्यांन प्यारी के उरोज हरिवारसै॥५२॥ दोहा॥ बेनी गूं
थत एक की नंदलाल चित लोल॥ चूंमत प्यारी के म

धुरा बिल सत लोल कपोल ॥ ५३ ॥ प्रेम करै यह पुरष
सो पर किया सो जान ॥ दोइ भेद उछा प्रथम औरु अ
नूछा मान ॥ ५४ ॥ व्याही औरें पुरष कों औरे सौं रस ली
न ॥ उछा तासों कहत हैं कबि पंडत प्रबीन ॥ ५५ ॥ उदा
हरन ॥ क्यों इन आंखिन सों निरसंक कै मोहन को त
न पानिप पीजै ॥ नैंकु निहारें कलंक कलगै इहि गाम
बसे कहु कैसे कै जीजै ॥ होत रहै मन मैं मतिराम कहू
बन जाइ बडो तपु कीजै ॥ ह्वै बनमाल हियें लगियै
अरु ह्वै मुरली अधरा रस लीजै ॥ ५६ ॥ दोहा कंत चोक
सीमंत को बैठी गांठ जुराइ ॥ पेखि परोसन को पिया
घूंघट मैं मुसकाइ ॥ ५७ ॥ अन व्याही को उ पुरष अनु

र०ज
२
३४

रागनजोहोइ॥ताहिअनूढाकहतहै कबिपंडतसब
कोइ॥ ५८॥उदाहरन॥गोपसुताकहै गौरगुसांइन
पायपरौमी।बिनतीसुनिलीजे॥दीनदयानिधदासी
कैउंवरमैसुककचित्तदयारसभीजे॥देहजोब्याहउ
छाहसौंमोहनैमातपिताहूकौसामनुकीजे॥सुंद
रसांवरोनंदकुमारबसैउरजोवरसोवरदीजे॥ ५९
दोहा॥मैंसुनिआईनंदघरअबतूहोइनिसंक॥राधे
मोहनब्याहसोंजैहैधोयकलंक॥ ६०॥परकियाके
भेदयेप्रथमहि।उत्तामानि॥बक्रुरिबिदग्धालछिता
कुलटामुदिताजानि॥ ६१॥ओरअनुसैंयनाकही
तिनकोबिमलबिबेक॥बरनतकबिमतिरामहैंरस

सिमारकि सेक ॥ ८२ ॥ सुरति छिपावै जो तिया सो गुपता
उर आंनि ॥ बरनत कबि मतिराम हैं चतुराई की षांनि
॥ ८३ ॥ उदाहरन ॥ लैंन गई कुती बाग हि फूल अधारी ल
षैंड रखा छोम हाई ॥ रोम उ छ्रोतन कंप छुयो मतिराम
भई श्रम की सर साई ॥ बलनि मैं उरझी अगिया छति
या अति कंटक सों छत छाई ॥ गेह मैं नैंक सम्हार रही
नही हिया लगि माजि मलूक रिझाई ॥ ८४ ॥ दोहा ॥ मलो
न हीय हके वैरी सजनी गेह अराम ॥ बसन फटे कंटक
लगे निसदिन आठों जांम ॥ ८५ ॥ दु बिधि बिदग्धा कह
त हैं कबि कर बिमल बिबेक ॥ बचना बिदग्धा एक है
क्रपा बिदग्धा एक ॥ ८६ ॥ करैं बचन सों चतुरई बचन

र॰ज
१०
35

बिदग्धा मांन ॥ करै क्रया सो चतुर ई क्रिया बिदग्धा जो
न ६७ ॥ बचन बिदग्धा को उदाहरन ॥ आई है निकट सो
गैया गई घर माझ ह्यां ते दोरि आई मेरो कह्यो काम
कीजियै ॥ होता हो अकेली और दूसरौ न देषियत बन
की अधारी सो अधिक मनप नीजियै ॥ कबि मति राम
मनमोहन सों पुन पुन राधिका कहत बात साचियै प
तीजियै ॥ कब की हों हेरति न हेरे हरि पावति हों बछरा
हिरानो सो हिराइ नेकु दीजियै ६८ ॥ दोहा ॥ षेत तिरोधा
न को यो बूझत मुसक्याइ ॥ वहै हमारो यो कह्यो सघन
जुवार दरसाइ ॥ ६९ ॥ क्रया बिदग्धा को उदाहरन ॥ बै
ठी तिया गुरलोगन में रतितें अति सुंदर रूप बिसेषी ॥

आयौसुतौमतिरामसोयामेंमनौमवकोबधीकांति उ
रेषी॥लोचनरूपपियौईचहेअरुलाजनजातनहीछ
बिपेषी॥नैननवायरहीहियमालमेंलालकीमूरतिला
लमेदेषी॥७०॥दोहा॥चढिअटारीबामवहयौप्रणाम
निघोट॥तरुनकिरनतेंद्रुगनकोंकरिसरोजकीओट
७१॥होतलषायसषीनकोजाकोपियसौंप्रेम॥ताहिल
छताकहतहैंकबिकोबिदकरिनेम॥७२॥लछिताको
उदाहरन॥आईहोपायदिवायमहावरकुंजनतेंक
रिकेसुषसेंनी॥सावरेआजसवारोहेअंजननेंनन
कोंलषिलाजतऐनी॥बातकेबूझतहोमतिरामकहा
करियेकछुगौहेंतनेंनी॥मूंदीनराषतप्रीतिअलीयह

र० जा
२१
36

मूंदी गुपाल के हाथ की बैंनी॥७३॥दोहा॥सतरौंहीं
मौंहन मिली दुरैं दुरायैं नेह॥होत नाइ नंदलाल
कैं दीय माल सी देह॥७४॥जो चाहै बहु नायकन
सरस सुरस परतीति॥तासों कुलटा कहत हैं ल
षि ग्रंथन की रीति॥७५॥कुलटा को उदाहरन
अंजन दै निकसो नित नैंन निमंजन कै नित अं
ग सम्हारो॥रूप गुमांन भरी मग मैं पति ही कै अ
गूठा अनोट सुधारो॥जोबन के मद सौं मति रो
म मई मतवारी न लोगन निहारो॥जात च
ली इहि भांति अली छुट की अलकैं अचरा तो
सुधारो॥७६॥दोहा॥मोहि मधुर मुस क्यां न सों

सबैगाव केछैल॥ सकलसैलबनकुंजमैंतरुन
सुरतकीसैल॥७७॥ केलिकरैजिहकंतसौंसोथ
लमिग्यौनिहार॥ कहीअनुसयनासुग्यौसोचक
रैबरनार॥७८॥ अनुसयनाकौउदाहरन॥ आई
रितुपावसअकासआठौदिसनमैंसोहतसहू
पजलधरनकीनीरकौ॥ मतिरामसुकबिकदं
बनकीबासजुतसरसबढावैरसपरससमीर
कौ॥ भौंनतैंनिकसबयनांनकीकुंवरदेख्यौ
तासमैंसहेटकोनिकुंजागियौनीरकौ॥ नागरि
कनैंननतैंनीरकौप्रवाहबढ्यौनिरषप्रवाह
बढ्यौजमुनाकेनीरकौ॥७९॥ दोहा॥ ग्रीषमरितमैं

र० त्र
१२
37

देषि कैं बन मैं लगी दवारि॥ यह है अपूरब बात है जरत हियै बर नारि॥८०॥ होंनहार संकेत को जो अभाव उर आंनि॥ याही अनुसयना कही होइ हियै दुष षांनि॥८१॥ अनुसयना को उदाहरन बेलन मैं लपटाय रही है तमालन की अवली अतिकारी॥ कोकिल केकी कपोतन के कुल केलि करैं जह आनंद चारी॥ सो चक रै जिन होहि सुषी मतिराम प्रबीन सबै नर नारी॥ मं जुल बंजुल कुंजन के घन पुंज सषी सुसरारि तिहारी॥८२॥ दोहा॥ केलि करै मधु मति जहं घन मधुपनि के पुंज॥ सो चन करि तो सासुरे सषी

सघननवकुंज॥८३॥प्रीतमनयोसहेटकैजा
नेहिततहिपाय॥यहोअनुसयनाकहीहोनगई
पछिताय॥८४॥अनुसयनाकोउदाहरन॥साझ
समैंमतिरामकामबसबेसीबटतटमैंबजाई
जायबांसुरी॥सुमिरिसहिटवृषभानकीकुमा
रिउरदुषअधिकानौंनयोसुषकोबिनासुरी॥
सरसोसमीरलाग्योमूलसीमहेलीसबबि
षसोबिनोदलाग्योबनसोनिवासुरी॥तापच
ढिआइतनपीरीपरिआइउरआंषिनकेउपर
उमगिआयोआंसुरी॥८५॥दोहा॥हरीसुपल्लवला
लकरलषतमालकीडाल॥कुम्हिलांनीउरसाल

र०जा
७३
38

धरिफूलमालज्योबाल ॥८६॥ चितचाहीसुनबात
लषिमुदितहोतजोबाल ॥ तासोंमुदताकहतहैंक
बिमतिरामरसाल ॥८७॥ मुदिताकोउदाहरन ॥ मो
हनसौंकछुद्योसनिमैंमतिरामबढ्योअनुरागसु
हायो ॥ बैठीकुतीतियमायकेमैंसमुरारिकोकाहू
सदेससुनायो ॥ नाहकेव्याहकीचाहसुनैहिय
मोहउछाहछबीलीकैछायो ॥ पौढिरहीपटओ
ढ्अटादुषकौमिसुकैसुषबालछिपायो ॥८८॥ दो
हा ॥ बिछुरतरोवतदुहुनकोसषियहरूपलषैन ॥
दुषअसुआंपियनैंनहैसुषअसुआतियनैंन ॥
८६ ॥ धनदेजाकेसंगमैंरमैपुरषसबकोइ ॥ ग्रंथन

कोमतुदेषिकैंगनिकाकाहियेंसोइ॥ ८० ॥गनिकाको उदाहरन॥ लालकरचरनरदछदनषलालमो तिनकीरदनरहीहैछबिछाइकै॥ कहैमतिराम मुषसुबरनरूपरहीरूपषानिमुसक्यानसोनास रसाइकै॥ आननकोइंदुजानिआषेंअरबिंदजा निइंदिरारजानिदिनरहतसुहायकै॥ नाइकनव लक्यौंनदेहिधनुमनुऐसीसुतनकोसुतनुधनु पायकें॥ ८१ ॥ दोहा॥ लसतगूजरीऊजरीबिलसतला लइजार॥ हियेहजारनकेहरैबैठीबालहजार॥ ८२ अन्यसुरतदुषिताअरुप्रेमगर्बिताजानि॥ रूपगबि ताऔरपुनिमानिवतीउरआनि॥ ८३॥ निजपति

रं० त्र

१४

39

रतिके चिन्ह जो लखे औरतियदेह ॥ अन्यसुरतिता
सौं कहै यह चतुरसिरतेह ॥ ९४ ॥ सुरतिको उदाहर
न ॥ याही कों पठाई ऐसो काम करि आई बजंतेरी
ये बडाई लखै लोचन लजीले सों ॥ मांची कौंन क
है कछू मो को किधों अपु ही कौ जाइ बकसी सल्या
उ बसन छबीले सों ॥ मतिराम सुकबि संदेसो अनु
मानियतु तेरे नख सिख अंग हरख कटीले सों ॥ ९५
तू तौ है रसीली रस बातन बनाइ जाने मेरे जान आ
इ रसराषि कै रसीले सों ॥ ९५ ॥ दोहा ॥ कहत तिहारो
रूप सखि यह पैंडे को खेत ॥ उचे लेत उसास है कलि
त सकल तन सेत ॥ ९६ ॥ निज नाइक के प्रेम को गर्व ज

नाँवैबाल॥प्रेमगर्बिताकहतहैतासोंसुमतिरसा
ल॥९७॥प्रेमगर्बिताकोउदाहरन॥मेरेहसैंहसतहै
मेरबोलैंबोलतुहैमोहीकोंजानततनमनधनुप्रा
नरी॥कबिमतिरामनोंहटैछौकियेंहासीहूमेंछा
डिदेतभूषनरुचिरपानीयानरी॥मोतेंप्रानप्यारी
प्रानप्यारेकेनऔरकोउतासोंरिसकीजैकहैक
हाकौसयानरी॥मैंनकामिनीकेमनकहूकेनहू
परीजैमेनकाहूकेसिषाएमानौमनमानरी॥९८॥
दोहा॥औरनकेपाइनदयौनाइनजावकलाल॥
प्रानपियारीरावरीपरषतलुहैरसाल॥९९॥जाके
अपनेरूपकोअतिहीहोइगुमान॥रूपगर्बिता

र० ग्र
२५
40

कहतहैंतासोंपरमसुजांन॥१००॥रूपगर्बिताकोउदाह
रन॥सोइरहीरतिअंतरसीसुआनंदबढायअनंगत
रंगनि॥केसरिघौरिकरीतियकेतनप्रीतमओरसुबा
सुकेसंगनि॥जागपरीमतिरामसुरूपगुमानजना
वतिमोहकेअंगनि॥लालसोंबोलतिनाहिनेंबा
लसुपोछतिआंगिअगौछतअंगनि॥१॥दोहा॥के
सेंआंउंहोंउतैहै जितनंदकिसोर॥दिनहूमेंमुष
चंदकोलषिललचाइचाकोर॥२॥करेइरषातेंजु
तियमनभावनसोंमान॥मानवतीतासोंकहैंक
बिजनपरमसुजांन॥३॥मानवतीकोउदाहरन॥
सोमनमोहननहोतलहूमुषजाकेनटूविधुकीछ

बिद्याजे॥ बोलिकैं नैननदेषोजो नेकतोस्यामस
रोजयराजयसाजैं॥ जोबिहसोतुव आननतोमति
रामबिहानकोबारिजलाजै॥ बोलअलीमृदुमंजु
लबोलतोकोकिलबोलनिकोमदभाजै॥६॥ दो
हा॥ सुनिदूतदेमनुमानिनीबिनअपराधरिसा
न॥ नेहजराव नकोमनोदीपजोतिजियजान॥ प
स्वाधीनप्रियतमाजुयुनअनिसारिकासुनाम
कहीप्रमत्तप्रेयसीआगमपतिकावाम॥ प्रो
षतिपतिकाखंडिताकलहंतरिताजानि॥ विप्रल
ब्धउकाबकुरिबासकसज्जामांनि॥७॥ दसोंअव
स्थामेदसोदसोंनाइकाजानि॥ तिनकेलछन

२० ज
१६
41

लषयेआछेकहोंबयांनि ॥८॥ जाकोपीयाबिदेस
मेंबिरहबिकलजियहोइ ॥ प्रोषितपतिकानांम
सोबरनतकबिसबकोइ ॥९॥ मुगधाप्रोषितपति
काकोउदाहरन ॥ बारकितीकसहेलनिकैंकहैं
कैसेंहूलेतनबीरीसवारी ॥ रायतिरोकिकंहेम
तिरामचलेंअसुवाअबियांननैंनारी ॥ प्रानपि
यारोचल्योजबतैंतबतैंकछूओसियेरीतिनिहा
री ॥ पीरीजनावतअंमनमैंकहिपीरीजनावतका
हेनप्यारी ॥१०॥ दोहा ॥ पियबियोगत्रियदृगजलधि
जलतरंगअधिकाइ ॥ बरुनिबारबेलायरसि
बढ्यौजातबिलाइ ॥११॥ मध्याप्रोषितपतिकाको

मूल ८२

उदाहरन॥ चंदकौ उदोत होत नैन निकौ चंदु कंतु
छायौ परदेस देह दाहन दहतु है॥ उसीर गुलाब
नीर करपूर परस त बिरह अनल ज्वाल जाल
निजरतु है॥ लाज नितें कहूं नजनावै काहू सखि
नकौं उरकौ उदार अनुराग उमगति है॥ कहिक
रौं मेरी बीर उठी है करेजें पीर सुमन समीर सी
रौनी रसौ लगतु है॥ १२॥ दोहा॥ बढूं दूबरी होत कौं
यौं बूझौ जब सासु॥ उतर कछौ न बाल मुष ऊंची
लई उसासु॥ १३॥ प्रौढाप्रोषतिपतिकाकौ उदाहर
न॥ बिरहतिहारे लाल बिकल भई है बाल नींद
नूष प्यास सगरी बिसारियतु है॥ चौरीकेसी

र० ज
22
42

बातचंद्रमाहूसौदुराइबुबसननितांनिकेबयार
बारियतुहै॥कहैमतिरामकलानिधिकेसीक
लाछीनजीवनबिहीनमीनसीनिहारियतुहै॥
बारबारसुकमारफूलनकीमारऐसीमारकी
मरूरनिमरोरमारियतुहै॥१६॥दोहा॥चंदकिरन
लगिबालतनउठैआंचयौजागि॥दुयहरदिन
किरकरपरसज्यौंदरयनमैंआगि॥१५॥परिकि
याप्रोषितपतिकाकोउदाहरन॥ह्यांमिलिमोहन
सौंमतिरामसुकेलिकरीअतिआनदवारी॥तेई
लताद्रुमदेषतदुष्षचलैअसुवांअषियांनतैंमा
री॥आवतहैजमुनातटकोंनहिजानिपरेबिछु

रगिरधारी॥ जानति हो सषी आवन चाहत कुंजन

तैं काढि कुंज बिहारी॥१६॥ दोहा॥ लाज छुटी गेहो छुट्यो

सुष सों छुट्यो सनेह॥ सषि कहियो वा निठुर सौं र

ही छूट न देह॥१७॥ गनिका प्रोषितपतिका को उदा

हरन॥ आली सिंगार तिहै हठ सों परलागत अं

ग अंगार सिंगारो॥ पीरी परी तन मैं मति रांम चल्यौ

अषियान तैं नीर को नारो॥ सो कहुं न हो मन भावत

नाइक आवत जो बकुतैं धन वारो॥ बाल बिला

सिनि को बिसरै न बिदेस गयो पिय प्रान पियारो॥

१८॥ दोहा॥ धन के हेत बिलासनी रहै सवार बिसासो

तिय के हिय मैं बसे सो पिय बसे बिदेस॥१९॥ पिय

२०न
१८
43

तनओरेंनारिकेरतिकेचिंन्हनिहारि॥दुषतहो
यसोषंडिताबरनतकबिनिरधारि॥२०॥मुग
धाषंडिताकोउदाहरन॥लालहूंतुहेंओरति
याकोंलख्योआगियामेंलगावतचोवा॥तादिन
तेंमतिरामनषेलतिबूझेंसषीनिहूकोंदुषगोवो॥
लिषेकरकेनषसोंपगकोनषसीसनवायकेंनी
चेहीगोवो॥बालनवलीनरूसनोजानतिभीत
रभोंनमसूसनिरोवो॥२१॥दोहा॥बालसषिनि
कीसीषतेंमानुजनावतठांनि॥पियबिनआग
मभोंनमेंबैठेमोहनतांनि॥२२॥मध्याषंडिताको
उदाहरन॥जावकलिलाटओठअंजनकीः

लीकसीहैपेषीनअलीकलीकलीकबिसरा

दूयो॥कबिमतिरामघातीनषद्दजगमगेडगम

गेपगमगमूषैहूनधारियै॥कसुकेउधारतहोप

लकुपलकुयातैपलिकायेपोछिश्रमरातिको

निवारियो॥लटपटैपेचसिरबातनकहतबनैल

टपटैपेचसिरपागकेसुधारियो॥२३॥दोहा॥कोउ

कहैकितेकयहतजीनटैउगुपाल॥निसिओरन

केपगपरोदिनओरनकेलाल॥२४॥प्रोढधंडि

ताकोउदाहरन॥प्रीतमआएप्रभाततियामुस

क्याइउठीद्रगसोंद्रगजोरै॥आगेह्वैआदरुकै

मतिरामकहैमृदुबैनसुधारसबोरै॥ऐसेसमै

र० ज्र
१९
44

नसुभावनहीसोमिलीमनभावनसोंमनमोरें॥मान
गोजानसुजोनजबैअगियाकीतनीनछुटेतबछोरें॥
२५॥दोहा॥आदरुकैपियसौंमिलीतियहियराषिसया
नु॥दिठकरबांधीकिंकनीसमुझायोमनमांनु॥२६॥प्र
कियाषंडिताकोउदाहरन॥रावरेंनेहकोलाजतजीअ
रुगेहकेकाजसबैबिसराए॥डारिदियोगुरलोगनको
डरगांवचवाईमैनावधराए॥हेतुकियोहमजोयेक
हातुमतोमतिरामसबैबिसराए॥कोउंकितेकउपा
इकरौकहूहोतहैंआपुनेपीवपराए॥२७॥दोहा॥हम
सोतुमसोलालइतनेननिहीकेनेह॥उतप्यारीके
द्रुगनकेसलिलसीचयतुदेह॥२८॥गनिकाषंडता

कौउदाहरन॥ ह्यांहमसोंमिलबोठहराइकैसैंनकहैं
अनतैफिरकीजै॥ मोरहीआइबनाइकैबातनिचा
तुरह्वैबिनतीकरलीजै॥ ऐसीयेरीतिसदामतिराम
सुकेसैंपियारेजूप्रेमपतीजै॥ सोहैंनषाइयेजाइ
बेकूतैंनमानिहोहूजोउलाषनदीजै॥२९॥ दोहा॥ कं
तकहाहोसनकरोजानप्रष्टौअबनेह॥ दैंनकहौ
सोबिनदियेजाननपैहोगेह॥३०॥ कहौनमानिकं
तकोफिरपाछेंपछिताइ॥ कलहंतरितानाइका
ताहिकहतसमुझाइ॥३१॥ मुगधाकलहंतरिताको
उदाहरन॥ गौनेकीचूनरीवैसियेहैदुलहीअबलौ
तेछिठाइबगारी॥ वेहूमनावकेआयेहैंआपुनै

४८

२० ज
२०
45

हाथसोंजातिनवागसवारी॥पाइपरेमतिरामलला
मनुहारिकरीकरजोरहहारी॥आपुनमान्योमना
योनकाहूकोआपुहीघातिनप्रांनवियारी॥२२॥दो
हा॥आईगोंनेकाल्हिहीसीषेकहासयांन॥अबही
तेंहूसनलगीअतहीनैंपढितांन॥२३॥मध्याकल
हंतरिताकोउदाहरन॥पाइनपाइपरेतौपरेरहे
केतीकरीमनुहारसुफेली॥मान्योमनायोनमैंम
तिरामगुमानमेंअैसीभईअलबेली॥प्यारोगयो
दुषमानिकहाकहोंकैसेंरहौंयहरातिअकेली॥
आपुतेंल्याइमनाइकन्हाईकोमेरीनलीजियेंना
उसहेली॥२४॥दोहा॥जोतूकहेतुराधिकापियाहे

मनाउनजाँउ।उहाँजाइकहूकहौंगीसषीतिहारोनाउ॥२५॥प्रौढाकलिहंतरिताकोउदाहरन॥ठाढेंनयेकरजोरिकैंश्रागैंअधीनव्है पाइ निसीसनवायो॥केतीकरीबिनतीमतिरामयेमेंनिकियोहठतेमननायो।देषतहीसिगरीसजनीतुममेरतोमानमहामदछायो।रूसिगयोउठिप्रानपियारोकाहाकहियेतुमहूनमनायो॥२६॥दोहा॥ प्रानपियारोपगपरयौतनबश्रतिनईसरोस॥कहौनमानोश्रापुहीहमैदीजयतदोस॥२७॥परियाकलहंतरिताकोउदाहरन॥जाकेलियेंग्रहकाजतज्योनसिषीसषियानकीसीषसिषाईं॥बैकुकियोसिगरेब्रजसौंजाकेलियेकुलकानि

र० न
२१
46

गवाई जाके लियै घरबाहिर हू मतिरांमरह्यो हसिलो
गच वाई ॥ ताहरिसों हित एकही बार गवारि हू तोरत
बार न लाई ॥ ३५ ॥ दोहा ॥ जोरत हू सजनी बिपति तोरत
बिपति समाज ॥ नेह कियो बिन काज हू तेह कियो बि
न काज ॥ ३६ ॥ गनिका कलिहंतरिता को उदाहरन ॥ जातें
लही जग माहि बडाई मै मेरे बियोग जो होत है छीनो
मोहि गहे मतिरांम जो प्रांनके मेरें सदा ही रहै ज्यु अ
धीनो ॥ मेरे लिये नितही उठिकें गहनो जो गढाइकै
ल्यावै नवीनो ॥ प्रांन पियारो री पाइन लाग्यो पै हौं ह
सिकंठ लगाय न लीनो ॥ ३७ ॥ दोहा ॥ जासों कियो सने
ह मन रहीन एको साध ॥ तासो गई सरूस हूं सजनी

बिनअपराध॥६१॥मिलनआसकरिजाइतिय पिघन मिलैसंकेत॥बिप्रलब्धसोजानयै बिरह बिकल बिनचेत॥६२॥मुग्धाबिप्रलबधाकोउदाहरन॥आलिनकेसुषमानिबेकौंपियप्यारेकीप्रीतिगईचालिबागे॥छायरहीहियरादुषसींजबदेष्योनहीनंदलालसनागैं॥काहूसोंबालकछूनकहैमतिरोमनचित्तकहूंअनुरागे॥बिलषतबेलसहेलनमैंपरबेलनवेलीकोसूलसोलागे॥६३॥दोहा॥लष्योनकंतसहेटमैंलष्योनषतकोराइ॥नवलबालकोकवलसोगयोबदनमुरझाइ॥६४॥मध्याबिप्रलब्धाकोउदाहरन॥केलिकेमदिरदेष्योनलालकोबालकेदाह

र०त्र
२२
47

नअंगदहैहै॥नौहचछायसषीकौलष्यौमतिरामके
छनकुबोलकहैहै॥नूलदुलासबिलासगएदुषके
नरिकैअसुवाउमहैहै॥ईछनिछोरनतेनगिरैम
नौतिछनकौरनछदिरहैहै॥।६५॥दोहा॥तियकौं
मिल्यौनप्रांनपतिसजलजलदतनमैंन॥सजल
जलदलषिकैंनएसजलजलदसनैंन॥६६॥प्रोछ
बिप्रलंबधाकौउदाहरन॥सकलसिंगारसाजिसंग
लैसहेलनकोसुंदरामिलनचलीआंनदकेकंद
को॥कहैमतिरामभगाकरतमनोरथनदेष्यौप
रजकमैंनप्यारेनंदनंदकौं॥नेहतैंलगीहैदेहदा
हनदहनमेहबागकेबिलोकद्रुमबेलनकेबृंदकै॥

चंदकौं हसततबआयो मुषचंद अबचंदलाग्यौ ह
सनतियाकेमुषचंदकौं॥ ६७॥ दोहा॥ लख्यौनमंदिर
केलिकौंपियरुचिबिजितअनंग॥ नैंनकरनितैजल
बलय गिरेएकहीसंग॥ ६८॥ प्रक्रियाबिप्रलब्धाको
उदाहरन॥ चलीमतिरामप्रानप्यारेकोमिलनबाल
मैसुषकबिचारिकैबिसारकाजघरको॥ पियरोब
दनदुषहियेंरसमायरह्यौकुंजनमैनयोनमिला
पगिरधरको॥ बिसर्योबिलासऔबिलायगयो
हासछायोसुंदरिकेमनमैंप्रतापपंचसरको॥ ६९
तिछनजुन्हाईनईग्रीषमकोघामभयोनीषमम
यूषभानुनयोदुपहरको॥ ६९॥ दोहा॥ साहसकेकुं

सु०ग्रं

२२

48

जनगाईलष्यौनंनंदकिसोर॥दीयासिघासीथर
हरीलगैंबयारझकोर॥५०॥गनिकाविप्रलब्धा
कौउदाहरन॥बारबिलासनकोटिकुलासबना
इकैअंगसिंगारबनायो॥प्रीतमगेहगईचलिकैं
मतिरामतहांनमित्यौमननायो॥संगसहेलीकौं
दुषदयौनहिंआपुनकौंयहदोषलगायो॥हाइ
मै कियौनमतौयहकौंनसोंआपनमौंननिबोल
पठायौ॥५१॥दोहा॥मोहिपठाईकुंजमैंसठनहिं
आयौआप॥आलीऔरकुमीतिकोमेरोमिथ्यो
मिलाय॥५२॥आयजायसंकेतमैंपीयनआयोहे
इ॥ताकीमनचिंताकरेउतकाकहियेसोइ॥५३॥

मुग्धाज्ञातकाकौ उदाहरन॥ बीतमई जुगजामिनसी
मतिरामभिटी तमकी सरसाई॥ जानतहू कहू और
तियासौं रह्यौ रससौं रमिकैरसकाई॥ सोचतिसेज
परीयौं नवेली सहेलीकौं जातिनबातसुनाई॥ चंद
चयौ उदयाचलयै मुखचंदपै आइ चढ़ीपियराई॥
५१॥ दोहा॥ कतनकंत आयौसखी लाजनबूझसकै
न॥ नवलबाल पलिकापरी पलकनलागैनैन
५२॥ मध्याज्ञातकाकौ उदाहरन॥ बारहिबार बिलो
कतद्वारसु चौंकिपरै तिनकैषरकैहू॥ सेजपरी
मतिरामबिसूरतिआई अहो अबही लाषमैंहू॥
संगसयानकि पैलतनहि अजौंहू रजनीपतिके अय

र० ज्ञ
२४
49

यैंहू ॥ लालन बेग दै जा कुघरै फिर बाल न मानिहै या
स पर्यै हूं ॥ ५८ ॥ दोहा ॥ कहारहौ आयो न सखि पीव यह
रजु गमेन ॥ अध निकरे अधरा कठे बाल बदन तें
बैन ॥ ५७ ॥ प्रोषत उत्का को उदाहरन ॥ केयो घरी नि
सबीति गई अरु मेकु चहूं दिसि आयो उनै है ॥ अंग
सवारिकै बैठी है सावरे रावरी बाट चितावत व्है है
बैठि कहा मतिराम रसाल व्है राति मनावत हो यि
रजै है ॥ जावन बेग तिहारी पियारी सु दोस बिहारी
हमै पुन दै है ॥ ५५ ॥ दोहा ॥ पीव न आयो धाम को मूंदे
लोचन बाल ॥ पलक उघारत पलक मै आयो होइ
न लाल ॥ ५९ ॥ परिक्रिया उतका को उदारन ॥ जमुना

केतीरबहे सीतल समीर जहां मधुकर निकर करत मंद सोर हैं ॥ कहे मतिराम जहां छबि सों छहेली बैठी बी
अंगन तें फैलत सुगंध की झकोर हैं ॥ प्रीतम बीहारी के निहारिबे को बाट ऐसी चहूं दिसि दीरघ दुग
न करी दोर है ॥ एक ओर मीन मानो एक ओर कंज पुंज एक ओर खंजन चकोर एक ओर हैं ॥ ६० ॥
दोहा ॥ कत बाट लगि गेह की कुंज देहरी आइ ॥ औ
हि पीव बिचारियो नारि फेरा फेर जाइ ॥ ६१ ॥ गनिका
उतका को उदाहरन ॥ प्रीतम को करे ध्यान घरीक
करे मन ही मन कामकिलोलें ॥ चौंकि परै तिन के
खरके हूं अचानक ही फिर आंखिन खोलें ॥ बाल

र० ग्र
२५
50

मखेहेअजौसजनीआगिरातजम्हातघरीकमेंबो
लैगावैघरीकहरैहीहरैंगरेंगेहकेबागहरैहरैडो
लै॥६२॥दोहा॥ऐहेप्रीतमआजयोनिहचैजानैबाम॥
साजेसेजसिंगारसबवासकसज्जानाम॥६३॥मुग्धावा
सिकसज्जाकोउदाहरन॥नइहोसयांनीतरुनाईअधि
कानीप्रीतिप्रीतमवत्यांनीहियहालदूरिनाकियौ॥क
हैमतिरामकामकेलिकीकलानिकरिमोहनललला
कोवसकीबोअमिलाकियो॥मृदुमुसकाइपर्जंकमैं
निसंकजाइअंकमरिआनदअधररसपाकियो॥
नेवरकीतनककुनकराबियारीआजुरमनाकीत
नककुनकरसुराकियो॥६४॥दोहा॥दीठबचायसषीन

कीकेलिभौंनमैंजाय॥पौढरहेछिनसेजमैंअतिआंन
दअधिकाय॥६४॥मध्यावासिकसज्जाकोउदाहरन॥
केसरकनककहाचंपकवनिककहादामिनयोदुरि
जातदेहकीदमकमैं॥कहेमतिरामलोंनैंलोचनल
येटलाजअरुनकपोलकामतेजकीतमकमैं॥पगके
धरतकलिकिंकिनननेवरबजैंबिछ्याझनकउठैएक
हीजमकमैं॥नाहसुषचाहचितैंओचकाहसतचौंक
परैचंदमुषीचारुचौकाकीचमकमैं॥६५॥दोहा॥निस
नियरातिनिहारियतुमोतिबदनअरबिंद।सषीएक
यहदेषियेतरोआंननदुंदु॥६६॥प्रौढावासिकसज्जा
कोउदाहरन॥बारनधूपअगारनधूपकेधूमअधा

२०त्र
२६
51

रीयमारीमहाहै॥आननचंदसमानउवोश्रीमृदुमंद
हसीमनौजोन्हछयाहै॥कैलिरहीमतिरामजहांतहां
दीपतिदीपनिकीपरमाहै॥लालतिहारेमिलापकौं
बालसुश्राजकरीदिनहीमेंनिसाहै॥६८॥दोहा॥सब
सिंगारसुंदरिसजेबैठीसेजबिछाय॥मयोद्रोपदीको
बसनुबासरनहीबिलाय॥६९॥परकियाबासकसज्जा
कीउदाहरन॥सोमुहीतेकरराषिसबैकरबेकेजेकाज
कुतेरजनीके॥बैठिरहीउमगेअतिहीमतिरामश्रन
दश्रमातनहीके॥सोवतजानिकैलोगसबैश्रधिका
नेमिलायमनोरथपीके॥सेजतेंबालउठीहरयेहरये
परखोलिदियेघिरकीके॥७०॥दोहा॥मनभावनकेमि

लनकोंकरैमनोरथनारि। धरैपौंनके सामुहैदिया-
नोंनमैंबारि॥७१॥ गनिकावासकसज्जाको उदाहरन॥
सेतसारीसोहतउज्यारीमुखचंदकैसीमहलनमं
दमुसक्यानिकीमहिमही॥ अंगियाकेऊपरहै उ
लहीउरोजअंग्रौपकबिमतिराममालमालतीडह
डही॥ माजेमंजुमुकरसेमंजुलकपोलगोलगोरीकी
गुराईगोरेगातनगहगही॥ फूलनकीसेजबैठीदीप
तफैलाइलाइबेलिकोफुलेलफूलीबेलसीलह
लही॥७२॥ दोहा॥ सुंदरसेजसवारिकैसाजिसकल
सिंगार॥ दृगकमलनकीदारमैंबांधेबंदनवार॥७३॥
अंगअंगअवलोकियैतियतनजोबनकीजोति॥ सुधा
सिंधुअवगाहतजुडीठिनाहकीहोति॥७४॥ सदा

२०ग
२८
52

रूपगुनरीझपियजाकेहोइअधीन॥स्वाधीनपति
काकहततासोंकबिप्रबीन॥७५॥मुग्धास्वाधीनप
तिकाकोउदाहरन॥आपुनेंहाथसोंदेतमहावर
आपुहीबारसवारतनीकौं॥आपुनहापहिरावत
आंनिकेहारबनाइकेबौरासिरीकौ॥हौंसापिलाज
नजातिगडीमतिरामसुभावकहाकहौंपीकौ॥लो
गमिलघरघैरुकरैअबहीतेयेचेरभयेदुलही
कौ॥७६॥दोहा॥अंगअंगअवलोकियतनवजोब
नकी॥जोति॥सुधासिंधुअवगाहजुतदीठनाह
कीहोति॥७७॥मध्यास्वाधीनपतिकाकोउदा
हरन॥जगममेजोबनअनूपतेरोरूपचाहिर

तिय्रेसी रंभासी रमासी बिसराइयै॥ दीपबेकौप्रा
नप्यारी पासनतेप्रानप्यारो घूंघटउघारिनैंक
बदन दिषाइयै॥ तेरिअंगअंगमैं मिठाई औलुना
ई भरी मतिरामकहतप्रगटयहपाइयै॥ नाइक
केलोचन निनाइयै सुधासी सबसोतनिकेलो
चननिलोनसोलगाइयै॥७८॥ दोहा॥ बडे तिहारे
दृगनगुनतुमकाहिसकोनमैंनि॥ पियनैननिमी
तरबसैसदातिहारेनैंन॥७९॥ अथस्वाधीनप
तिकाकोउदाहरन॥ लालनमैंरतिनाइकतैसुन
सुंदरतारुचपुंजनपेषी॥ बालमैंत्योमतिरामक
हैरतितैंअतिरूपकलाअवरेषी॥ सामुहे बैठेल

२० जे
२८
53

बैठक सेज मैं बोलि अली मुष प्रीति बिसेषी ॥ माल
मै तेरे लिषी बिधि सो यह लाल की मूरति लाल मैं
देषी ॥ ७९ ॥ दोहा ॥ सुधा मधुर तेरो अधर सुंदरि सुम
न सुगंध ॥ पीव जीव को बंधु है बंधु जीव को बंध ॥ ८०
प्रकिया मुग्धाधीनपतिका को उदाहरन ॥ मो जु ग
नैंन चकोरन को यह रावरो रूप सुधाई को लीबो ॥
को जै कहा कुल कांन सौं आपुनी आंनि पर्यो अ
ब प्रीति ताछिपैबो ॥ कुंजन मैं मतिराम कहै निस बा
सर घात परै मिल जैबो ॥ लाल सयांनी सषीन कै
साथ निवारियै ह्यां की गलीन को ऐबो ॥ ८१ दोहा
विषम लोग ब्रज गांव को लाल बिलोको बास ॥ ब

छिजैहैद्वैनदृगनकेहासहितैंउपहास॥८२॥मान
कास्वाधीनपतिकाकोउदाहरन भूषनअंबर
ल्यावतआपरहैपहिरावनकोमुषहेरैं॥आपु
हीपांनषवावतआयसहेलीनआवनपावत
नेरैं॥ताषियसौंमतिरामकहैरिसकेसेकरौसिष
येंसषितेरैं॥पूरिरहेमनमोहनकेगुनमानुकौं
ठौरनहीमनमेरैं॥८३॥दोहा॥मोहिलग्योजाकौ
सदासजनीतनमनप्रान॥सपनैहूंतापीवसौंमा
नभलौनसयांन॥८४॥पियहिल्यावैआपकैआ
पाहिपियपैंजाइ॥ताहिकहतअभिसारकाजेप्र
बीनकबिराइ॥८५॥मुग्धाअभिसारकाकोउदाहरन

२० ज्ञ
२८
54

बातनजायलगायलईमनहीमनकेमनहाथकेली
नौ॥लालनिहारिबुलावनकोंमतिराममैंबोलिकहौ
प्रबीनौ॥बागिचलौनबिलंबकरौलष्यौबालनवे
लीकोनेहनवीनौ॥लाजभरीअषियाबिलसी
बालिबोलकहेबिनउतरदीनौ॥८६॥दोहा॥अलीच
लीनवलाहियेलैपियपैसाजिसिंगार॥ज्योंमत
गअडदारकौलियेजातगडदार॥८७॥मध्याअ
भिसारकाकोउदाहरन॥बैठरहेमतिरामललाँ
घरभीतरसांझहीतैंअनुरागी॥बानिकसोंबनिचा
रुसिंगारनिआईसुहागिलप्रेमसोंपागी॥द्वारें
कह्यौहसिआइयेसेजहिंप्यारीकीजोतिबिला

सानिजागी॥ नैंन नवाय रही मुसक्याइ कै हारा हिये

कौ सुधार न लागी॥ ८८॥ दोहा॥ जोबन मद जग मंद ग

ति चली बाल पति गेह॥ पग न लाज अरु हृदै परि च

ल्यौ महा वत नेह॥ ८९॥ पुरुष अभिसारका कौ उदाह

रन॥ सहज सुबास जुत देह की दुगन दुति दामिनी

दमक दीप के सरकन कतें॥ सोय बे कौ सेज चली प्रान

पति प्यारी या सज गत जुन्हाइ जोति हसन तन कतें॥

मतिराम कहत सिरीस सुकमार अंग सोभत सिंगा

र चारु जोबन बन कतें॥ चढ़ति अटारी गुरलोगन

की लाज प्यारी रसना दसन दाबे रसना भन कतें

९०॥ दोहा॥ सजि सिंगार सेज हि चली बाल प्रानपति

पांन चढ़त अटारी की सिढ़ी गई कौ सप्रमान॥ ९१॥

२८ जन
३०
55

स्यामा अभिसारिका को उदाहरन ॥ उमडि घुमडि दिग्ग
मंडलन मंडराहे झूमि झूमि बादर कुहू की निसा कारी
मैं ॥ अंगन मैं कीनो मृगमद अंगराग तैसो आनन छि
पाय लीन्हें स्याम रंग सारी मैं ॥ कबि मतिराम मेचक
रुचिरा चिरही आभरन साजे मरकत मन वारी मैं ॥
मोहन छबीले सों मिलन चली ऐसी छबि छाह
लौं छबीली छबि छाजत अधारी मैं ॥ ४२ ॥ दोहा स्या
म बसन मैं स्याम निस दुरी न तिय की देह ॥ पुहचाई
चंहुं ओरा घिर भौंर भीर पति गेह ॥ ४३ ॥ चंद्र अभि
सारिका कौ उदाहरन ॥ अंगन चंदन घनसार अंग
राग सित सारी छीर फैन कैसी आभा उफनाति है ॥
राजत रुचिर रतन मोतिन के आभरन कुसुम कलि

तकेससोभासरसातिहै।कबिमतिरामप्रानप्या
रेकौमिलनजातकरिकैमनोरथनिमृदुमुसक्या
तहै।होतनलषायतनचंदकोउज्यारीमुषचंदकी
उज्यारीतनछांहोंछिपजातिहै॥९४॥दोहा॥मलिन
करीछबिजोन्हकीतनछबिसौबलिजांउ कौंजे
हे पियऐसषीलाछिजैहैसबगाव॥९५॥दिवानिसा
रिकाकोउदाहरन सारीजरतारीकीझलकझल
कतितैसीकेसरकोअंगरागकीन्हैसबतनमैं।तीबि
नतरुनिकीकिरनतैंदुगनदुतिजगतजवाहरजाट
तआभरनमे।कबिमतिरामआभाअंगनिअगार
नकीधूमकेसीधारछबिछाजतकचनिमैं।ग्रीषम

रा॰ग्र
२१
56

दुपहरीमैंहरिकोमिलनजातजानीजातिनारि
कदवारिजुतबनमैं९६॥दोहा॥ग्रीषमरितकीदुप
हरीचलीबालबनकुंज॥आगिपारतीनालुयैजु
बनमलयकेपुंज॥९७॥गनिकाअभिसारिकाकोउ
दाहरन॥सोझहीसिंगारसाजिप्रानप्यारिपासजा
तबनिताबनकबनीबेलीसीअनंदकी॥कबिम
तिरामकलिकिंकनीकीधुनिसुनमंदमंदचलन
बिराजतगयंदकी॥केसरिरंगेदुकूलहांसीमैंझरे
फूलकेसनमैंछाईछबिफूलनकेबृंदकी॥पाछे
पाछैआवतअधारीसीभवरभीरआगैंआगैंफै
लतिउजारीमुषचंदकी॥९८॥दोहा॥नागरिसकल

सिंगार सजि चली प्रानपति पास ॥ बाढ चली बिहस न मनों सोभा सहज सुबास ॥ १९९ ॥ हौन लगि पिय की बिरह बिकल होइ जो बाल ॥ ताहि प्रबरस्त प्रेयसी बरनत बुध रसाल ॥ २०० ॥ मुग्धा प्रबरस्त प्रेयसी को उदाहरन ॥ जा दिन तैं चालबे की चरचा चलाई तुम ता दिन तैं वाके पियराई तन छाई है ॥ कहै मतिराम छांडे भूषन बसन पान सखिन सौं बोलन हसन बिसराई है ॥ आई रितु सुरभ सुहाई प्रीति वाके मन औसर मैं चलौ तौ लाल रावरी बडाई है ॥ सोवत न रैन दिन रोवत रहत बाल बूझे तैं कहत माय के की सुधि आई है ॥ १ ॥ दोहा ॥ क्यौं सहि है सुकमार तिय पहिलो बिरह गुपाल ॥ जब वाके चित हित भयो चलन लगे तब लाल

२८ न
३२
57

२॥ मध्याप्रवत्स्यतप्रेयसीकोउदाहरन॥ गौनेकेद्यौसछसा
तकबीतेनचोथीकहत्र्प्रबहीयहत्र्प्राई॥ लालनबालकै
तादिनतैंमतिरामपरीतनमेंपियराई॥ तूनबहूकोंपछा
इअलीयहदेषिदुहूंनकीप्रीतिसुहाई॥ रोयेतेरोचन
मोयेसेलोचनसोएसेसोएनसोचनरैनबिहाई॥ ३॥
दोहा॥ अबहीतेंपैलैमिलमोहिसषीचलतअाजु
ब्रजराज॥ अंसुवनराषतरोकिकैंजियहिनिकासत
लाज॥ ४॥ प्रौढाप्रवत्स्यतप्रेयसीकोउदाहरन॥ मलय
समीरलाग्योचलनसुगंधसीरोपथिकनिकीन्हेप
रदेसनतैंआवनैं॥ मतिरामसुकबिसमूहनसुमन
फूलेकोकिलमधुपलागेबोलनसुहावनैं॥ आयौ
हेबसंतभयेपल्लवजलजतुमयातेंलगेचलिबेकी

चरचाचलावनैं॥ रावरीतियाकोतरवरसरवरनिके
विगसेकमलहूहैवारुकबिछावनैं॥ ५॥ दोहा॥ कोप
नतैंकिलैसैंजबैहोतकलमतैंकोल॥ तबचलाइये
चलनकीचरचानायकनौल॥ ६॥ परकियाप्रबरस्त
प्रेयसीकोउदाहरन॥ मोहनललाकोसुनोचलनबि
देसगयौबालमोहनीकोमननिपटउचाटमैं॥ परी
तलाबेलीतनमनमैंछबीलीराबिछितपरछिनक
छिनकपाइबाटमें॥ पीतमनयनकुबलयनकोइंदु
धरीएकमैंचलेगेमतिरामजहीबाटमैं॥ नागरनवे
लीरूपआगरीअकेलीरीतीगागरिलैठढीभई
बाटहीकेघाटमैं॥ ७॥ दोहा॥ चलनसुन्योपरदेसको
हियराराह्योनठोर॥ लैमालिनमीताहिदयोनवरसा

र०जा
२२
58

लको मौर॥९॥ गनिकाप्रवत्स्यत्प्रेयसीको उदाहरन॥
मंजन कियो न तिअंजन दियो न नैन जावक दियो न
पाइ रही मन मारिकै॥ मतिराम सुकबित मोलछो
डि बैठी मैले पाहिरे बसन डारे भूषन उतारिकै॥ गारि
राखौ चंदन बगार राखौ धनसार आगमन सेज सर
सजन सवारिकै॥ एही पीउ आज बिदा मागन बिदे
सकौ यो नेहके जताइबेकी चातुरी बिचारिकै॥९॥ दो
हा॥ चलत पीउ परदेसको बरजस कीनाहितोहि॥ ले
ऐहो आगरन जो जियत पाइही मोहि॥१०॥ जातिय
को परदेसतै आयो पति मतिराम॥ ताहि कहत सब लो
गहैं आगमपतिका बाम॥११॥ मुगधा आगतिपतिका
को उदाहरन॥ आयो बिदेसतै प्रानपियामतिराम

अनंदवछयअलेपैं लोगनसौंमिलिआगनबैठ
हरैइहरैसिगरोघरदेषैं॥भीतरभौनकेद्वारघरीसु
कमार तियातनकंपबिसेषै॥घूंघरकोपटओरदि
येंपटओरदियेंपियकोमुषदेषै॥१२॥दोहा॥पियआ
यौनवबालकैबाढौहरषबिलास॥प्रथमबारिवूं
दनउठैज्योंवसमतीसुबास॥१३॥मध्याआगतिपत
काकोउदाहरन॥बेदमुषीसजनीनिकेसंगहुतीति
यआंगनमैंमनुफेरति॥ताहीसमेपियप्यारिकोआ
वनप्यारीसषीकह्योद्वारतेटेरति॥आयगयेमति
रामजबेजबदेषतनैनअनंदमएरति॥भीतरभौन
केभाजिगईहहरियेहासिकैहरिकौमुषहेरति॥१४
दोहा॥पियआगमसरदागबनबिमलबालमुषइंदु

२८ ज्ञ
२४
51

अंग अमल पानिप जग्यो फूले द्रुग अरविंदु ॥१५॥ प्रो
ढा आगतिपतिका कौ उदाहरन ॥ प्रांनपियारो मिल्यौ
सपने मैं वरी जब नैसुक नींद निहोरैं ॥ कंत कौ आय
बो त्यौंही जगाय सखी कह्यो बैंन पियूषनिचोरैं ॥ यौं
मतिराम बढ्यौ मन मैं सुष बाल के बालम सौं द्रुग जो
रैं ॥ ज्यौं पट मैं अति ही चट कीलो चढैं रंग तीसरी बा
र के बोरैं ॥१६॥ दोहा ॥ पति आयो परदेस तैं हिय फूल
सी अति बाम ॥ टूक टूक कंचुकि करी कर कमनैंनी कौं
म ॥१७॥ परकियाआगतिपतिका कौ उदाहरन ॥ आ
ये बिदेस बिलंब तैं बालम बाल बियोग दसा बि
सराई ॥ देषत ही मतिराम कहै अषियां अति आंनद

कीछबिछाई॥ धायकहीतिनकेसंगकैसबगांव
कीजेजुवतीजुरआंई॥ लाजनकौ करिबैनकहे
सुकहेदुषदेहहीकोंदुबराई॥१८॥ दोहा॥ सुन्यौमाइ
केतेंरहाबामणआयौकंत॥ कुसलबूझबेकेमिस
नलीनौबोलिइकंत॥१९॥ बानकोआगतिपतिका
कौउदाहरन॥ बालमाबिदेसमेंबिताइबकुछौसआ
येनगरिकेमनमेंकुलासनकीषांनिकी॥ कबिमति
रामअंकभरतमयंकमुषीनेहेसरसायगतिमोहे
सुषदानकी॥ सुबरबोलिकैबतावतहैसुबरन
हीरनजावतहैछबिमुसक्यानकी॥ आंषिनतेंआ

रू० न
३५
60

नंदकेंआसू उमगाय प्यारी प्यारे कों दिखावति सुरतमु
कतानकी ॥ २० ॥ दोहा ॥ फूली नागरि कमल नी उद्धि गो मि
त्र मलिंद ॥ आयो मित्र बिदेस तैं नयो सु दिन आनंद
॥ २१ ॥ प्रिय हित कें अनहित करै आप करै हित नारि
ताहि कहत है उत्तमा कबिजन कहत बिचारि ॥ २२ ॥
॥ उत्तमा को उदाहरन ॥ राति कहूं रमि कैं मनि रीमो मोहन आ
न आवन प्रात पिया घर कीनो ॥ देषत ही मुसकाय
उठी चलि आगे ह्वै आदर कै पुनि लीनों ॥ मोहन के
तन मैं मनि रीम दुकूल सु नील निहारि नवीनो ॥ केस
र के रंग सौं रंग कै पट पीत कै प्रीतम के कर दीनो ॥
॥ दोहा ॥
२३ प्रिय अपराध अनेक निज आ बिन हूं लषि पाय

तिय एकं तकु कंतसौं मानौं करतल जाय ॥ २४ ॥ पिय
सौं हित मे हित करत अन हित कौ नौ मान ॥ ताहि म
धिमा कहत हैं कबि मतिराम सुजान ॥ २५ ॥ मधमा की
उदाहरन ॥ आयौ प्रांनपति राति अनतै बिताय बैठी
नौंहन चढ़ाय रगी सुंदरि सुहाग की ॥ बातन बनाय
परौ प्यारी के पगन आय छल सौं छिपाइ छैल छबि
रति दाग की ॥ छूटि गयौ मानु लागी आपु ही सवारन
है पिर की सुकबि मातिराम पियपाग की ॥ रिस ही के
आंसू रस आंसू भये आंखिन मैं रोस की ललाई सो ल
लाई अनुराग की ॥ २६ ॥ दोहा ॥ मेरे तन के रोम ये मेरेन
ही निंदान ॥ उठि आदर आगमन करै करौ कौंन बिधि

र० ग्र
२६
61

मांन॥ पियसौंहितहूकैंकरैंकरैमानजोबाल॥ तासौं
अधमाकहतहैं कबिमतिरामरसाल॥२८॥ अधमा
को उदाहरन॥ आयौहैसयानपनगयौहै अपानतहूं
निति उठिमांनकरबेकीटैंवपकरी॥ घरघरमाननी
हैमानतीमनायेतैंवैतेरीऐसीरीतिऔरकाहूमैंनज
करी॥ कबिमतिरामकामरूपघनस्यामलालतेरीनैं
नकोरऔरचाहैइकटकरी॥ हाहाकैनिहोरेहूनहै
रतहरननैंनीकाहेकौकरतहठहालेरकीलकरी॥
२९॥ दोहा॥ कहालियौगुरमानकौ अतितातीह्वैनेंम॥
पारदसौउडिजाइगौ अलिचंचलयहप्रेम॥ अथना
इकलछनदोहा॥३०॥ तरुनसुघरसुंदरसकलकामक

लोनप्रबीन॥ नाइकसोमतिरामकहि कबितगीतर
सलीन॥ उदाहरन॥ गुंछनके अवतंसलसैं सिरपछ
नसुछकीटबनायौ॥ पल्लवलालसमेतछरीकर
पल्लवसौं मतिरामसुहायौ॥ गुंजनके अरमंजुलहा
रनकुंजनतैं कढिबाहर आयौ॥ आजकौ रूपलखैं
ब्रजराजकौ आजुही नैंननकौ फलपायौ॥ ३५ दोहा
नरीनावरे सांवरे रासरासिकरसजान॥ उनहीमैंमन
भ्रमतहै कैबोडरकौपान॥ ३३ पतिउपपतिबेसक
विबिधि नाइकभेदबषान॥ बिधिसौ व्याहौपति
कहौकबिकोबिदमतजान॥ ३४ उदाहरन॥ पाव
धरैदुलहीजिहठोरररहैमतिरामतहींद्रगदानै छो

२० ज
३८
62

ओसषान के साथ को षेल बो बैठें रहें घर ही रस भीनें॥
लोनी सलोनी के सोनें सअंगन तीनें की चूंनरी यांने
से कीनें॥ सारु ही तें लाल के मन ही मन लालन यौं ब
बहि कर कीनौं॥ ३५॥ दोहा॥ जा दिन तैं मो नौ भयो आई
बाल रसाल॥ ता दिन तैं बिरहिनि भई हरि उर तैं बन
माल॥ ३६॥ चारि भांति सूं बरनियें प्रथम कहत अन
कूल॥ दछन गन पुन धृष्ट सठ रस सिंगार कौ मूल
३७॥ सदा आपनी नारि सो जा सों अति ही प्रीति॥ पर
नारी सों बिमुष जो सो अनकूल सुरीति॥ ३८॥ उदा
हरन॥ क्यौंहू न हीं बिसरै निसबासर मंद हसी मुष चंद
उज्यारी॥ त्यौं ही दिपै अति नेह सौं देह की दीपकला

समन्यारी॥ नैहियैजोतिजगैहियमीतरश्रावतश्री
रननारिश्रधप्यारी॥ नैननहूश्ररबैननिहूतनहूमन
हूकौतुहीश्रतिप्यारी॥ ३९॥ दोहा॥ सपनेंहूमननांवती
करतनहीश्रपराध॥ मेरेमनहीमैंरहीसषीमांनकी
साध॥ ४०॥ एकभांतिसबतियनसौंजाकोहोयसनेह सोदच्छनिमतिरांमकहिबरनतहैंमतिगेह॥ ४१॥
उदाहरन॥ सांझसमैंललनामिलिश्राईघरौजहां
नंदलल्लाश्रलबेलौ॥ षेलनकौनिसचांदनीमांहि
बनेंनसतौमतिरांमसुहेलौ॥ श्रापुनीश्रावनीसौं
रिबतायकैंबोलकह्यौसिगरीननवेलौ॥ त्यौंहसि
कैंब्रजराजकह्यौश्रबश्राजुहमारहिपौरमैंषेलौ

र० त
३८
63

६२ दोहा ॥ दछनना इक १ कतुममनमोंहनव्रुज चंद ॥ कुलसेब्रजबनितांनकेदृगइंदीबरब्रंद ६३ करदोषनिसंककरै दरनतियाकेमांन ॥ लाजधरेमनमेंनहीनाइकघृष्टनिदांन ६४ ॥ उदाहरन ॥ बरज्यौनमांनतहो बारबारबरज्यो मेंकोनकाजइतमेरेगौनहेतआइये ॥ लाजकौनलेसजहांसकोनडरमनहसतहसतआपबातनबनाइये ॥ कबिमतिरामनितउठिकलिकानकरौ नितझूठीसौहेंकीजैनितबिसराइये ॥ ताकेपगलागौनिसजागिजाकेउरलागेमेरेपगलागिउरआगिनलगाइये ६५ दोहा ॥ निलजनैनकुलटांनकेआनिबसेब्रजराज ॥ हियेहारतैसकलमारिनिकारीलाज ६६ प्रियबोलेबि

युयकरैनिपटकपटजुतहोय॥ सठनाइकतासोंकहे कबिकोबिदसबकोय॥ ६७॥ उदाहरन॥ मोतिंतोकं धूनअपराधपयौप्रानप्यारीमानुकरिरहीयोंहीका हेकोंअरसतैं॥ लोचनचकोरमेरेसीतलहेहोतितें रेअरुनउदितमुषचंदकेदरसतें॥ कहेमतिरामउ ठिलागिउरमेरेकंतकरतकठोरमनुआंसुनबर सतैं॥ कोपतेंकटुकबोलबोलनितेउमोकोंमीठीहो तिअधरसुधारसपरसतैं॥ ६८॥ दोहा॥ पियतरहौंअ रानकोरसअतिमधुरअनैमोल॥ तातैं मीठेकहत हैलालबदनतैंबोल॥ ६९॥ जोपरनारीकोंरमैंउप पतिताहिबषानि॥ प्रीतमजोगनिकोनकोताकोबेस कजानि॥ ७०॥ उपपतिकोउदाहरन॥ सुंदरसरससब

२०३
३९
64

अंगनसिंगारसाजेसहजसुभावनिसनेहकछूकैगई॥
कीनैमतिरामबिहसौंहेसेकपोलगोलअबोलनअमो
लइतनौंदुषदैगई॥मेरेललचौहेंचाहिचषमुषफे
रिकैलजौहैललचौहैंचारुचषनचितैगई॥निपट
निकटह्वैकैकपटछुवाइअंगलाइकैसीलपटलपे
टमनलैगई॥५१॥दोहा॥नैनजोरिमुषमोरिहसिनैं
सुकनेहजनाय॥आगिलैनआईहियेमेरेगईलगाय॥५२॥विभ्रमकौउदाहरन॥आगमनचाहिचक
चौंधरहौतबजबजगरमगरआभरनिकेनगनि
मौ॥जोबनकेमदरूपमदवाकेमैनसदाहबिसत
वारोह्वैथकितपगनिमौ॥कहेमतिरामलालछोच
नबिसालबंकतिछनकटाछनसौछेदकैलगनि

नौ॥ बारबारनमबारबधू बारनौरनिमैंमांगकामु ३
कतमालगंगमैंमगनिमौ॥ ५२॥ दोहा॥ लोचननयानि
पढिगसजीलटबैसीपरबीन॥ मोमनबारिबिलास
नीफांसिलियौजनुमीन॥ ५४॥ मानीबचनचतुरक
ह्यौक्रियाचतुरखुनिजांनि॥ तीनभांतिऔरौकहत
नाइकसुकबिबषांनि॥ ५५॥ करतनाइकआसूंकहूं
नाइकजोअभिमांनि॥ तासोंमांनीकहतहैंकबिम
तिरामसुजांन॥ ५६॥ उदाहरन॥ वहसुधिकरौक्यौं
ननयेनलिनीकेदलनिससेजसींरिसरसजिनबि
छाइये॥ अमलउसीरचंदचंदनगुलाबनीरकहो
लगिऔरउपचारनिजिनाईये॥ छलबलवाकेमें

र॰जी
80
65

मिलायकेंजिवायेकबिमतिरामअबसाहिबीगनाइ
ये ॥ ऐसौंमनभायोमनभावनगुमांनकुंजोप्यारीके
मनाइबेकोतुमकोंमनाइयौ ॥ ५७ ॥ दोहा ॥ यामैंकोंनस
यानहैमोहनलालसुजांन ॥ आपकरतअपराधहौ
आपहिंपुनिअभिमांन ॥ ५८ ॥ बचननमैंजोकरतहै
चतुराईमतिरांम ॥ बचनचतुरनाइकसरसलीन्हें
जानसकांम ॥ ५९ ॥ उदाहरन ॥ दूसरेकीबातसुनीपर
तिनऐसीभांतिकोकिलकपोतनकीधुनिसरसा
तहै ॥ छायरहेद्रुमजहांबेलनिसोंमिलमतिरामअ
लिकुलनअधकारीअधिकातिहै ॥ नयतसेफूलिरहे
फूलनकेपुंजघनकुंजनमैंहोतजहांदिनहूमैंराति
है ॥ ऐसेघनबनबाटसंगनिसहेलीकहिकेसेतूअ

केलीदधबेचनकोंजानिहै॥८०॥दोहा॥ ताकों देकुब
ताबहोतूकतहोतउचाट॥गुवालनिदधिबेचनग
ईबंसबटकीबाट॥८१॥ करेकपासोंचतुरईजोनाइ
करसलीन॥क्रियाचतुरतासोंकहैंकबिमतिरांम
प्रबीन॥८२॥उदाहरन॥ नंदलालगएगयेतितहीचलि
कैंजहांषेलतबालअलीगननिमें॥तहांआपुहीमूंदे
सलोनीकेलोचनचोरमिहीचनीषेलनमें॥दुरबे
कोंगईसिगरीसषयांमतिरांमकहैइतनेछिनमें॥मु
सकायकेराधिकेकंठलगायछिप्योकहूंजाइनकुंज
नमें॥८३॥दोहा॥ साऊसमैंवहकेंछैलकीछलनक
हीनहिजाइ॥बिनडरबनडरपाइकैंलियोमोहिउर
लाइ॥८४॥नाइकहोयबिदेसमेंजोबियोगअकुलाय॥

66 तासौप्रोषितपतिकहैजैप्रबीनकबिराय ॥ ६५ ॥ उदाहरन ॥ प्यारे परदेस गे बचन पियूष पांनि करि उरउमगि उमगि
आति आनंद बिसेषहे ॥ कबिमतिरांम तनतनपतबुम
पुजेहै निजानिज जनमसफलकरि देषिहै ॥ हीतलकौ
सीतलकरतचारु चांदनीसी मंदमृदु मुसक्यांन अ
नमषपेषिहै ॥ कैहैतबनिसामेरे लोचनचकोरन
कीजब वाके आंननअमलइंदुदेषिये ॥ ६६ ॥ दोहा ॥
प्रफुलितसुमनसुबासमैं कारबी आंनदकेलि ॥ ॥
सोनीकेइनलागिहै उरसोनेकेबेलि ॥ ६७ ॥ दरसन
आलंबनहिमैं कबिमतिरांमबषानि ॥ श्रवनसुपन
अरुचित्रपुनित्यौंप्रतछउरआंनि ॥ ६८ ॥ श्रवनदरसन ॥ आंननपूरनचंदलसे अतिबंदबिलासबिलो

चनपीपे॥ अंबरपीतलसचपलाछबि अंबुदमे

चकअंगविसेषे॥ कामहूतैंअभिरांममहामतिरांम

हियैंनिहचैकरलेषे॥ तेबरनोंनिजनैननिसोंतो

नितनैननिसोंमनदेषे॥६९॥ दोहा॥ तेसोतैंबरनोंस

षीरूपकांन्हकौआय॥ तेसोमेरेचषनमैंरह्योआ

यठहराय॥७०॥ सुपनदरसन॥ आवतमैंहरिकोंसप

नैलषिनैंसककबाटसकोचनिछोडी॥ आगैंह्वैआड

नयेमतिरांमचलीसुचितैंचपलालचओडी॥ औ

ठनकोंरसलेंनकोंमेरीगहीकरकंजनिकंपतिछो

डी॥ औरमहून भईकछुबातगईइतनैंहीमैंनींदनि

गोडी॥७१॥ दोहा॥ पियमिलापकोंसुषसषीकह्योनजा

२८ ज
82
67

डु अनूप॥ सैनु षसौं सपनौं भयौ सैनु षपस नैसरूप
७२॥ चित्रदरसन॥ अंचल भयेहैं गात परस न जान्यौं
जात कही न सुनत बात ना कही॥ सूंघैं न सुबास मन
नि को सम रूप रीट कटकी बडे बडे द्रगनि मैं उलही
कबि मतिराम तोहि नैंकु परवाह नही ऐसी भांति
भई बवतेरनेह सौ नही॥ अरे चित चोर चालि चा
हिचंदमुषी तोहि चित्रही मै चाहि चित्रमय कैर
ही॥ ७३॥ दोहा॥ चित्रहू मैं जाके लषैं होत सु प्रनत अ
नंद॥ सपनैंहूं कबहूं सषी सो मिलिहै ब्रजचंद॥ ७४
श्रवण दरसन॥ मोहन ललाकौ मन मोहनी बिलो
कबाल कसु करि राषत है अमग उमाह कौ॥ सषि

नकी डीठ कौं व चाय कैं निहारत है औ नद प्रवास्वा
चया वतन थाह कौं कबि मतिराम और सब कुन
के दषत हीं ऐसी भांति दषत छिपा वत उछाह कौं
वेई नैन रूष से लगत और लोगन कौं वेई नैन ला
गत सनेह भरे लाल कौं ७५ ॥ दोहा ॥ नंदनंदन के रू
प परि रीझ रही रिझवारि ॥ अध मूंदी अषियन दई
मूंदी प्रीति उघारि ७६ ॥ उदीपन भाव ॥ चंद कमल
चंदन अगर रितु बन बाग निहार ॥ उद्दीपन सिंगा
र के जे उज्जल संहार ७७ ॥ उदाहरन ॥ पूरन चंद उदो
त कियौ घन फूल रही बन जात सुहाई ॥ भौरन की
अवली कल के कोक मल पुंजन मे मृदुलाई ॥ बा

र० ना
४२
68

सुरीताननिकोमके बांननिलौमतिरांमसबैम्रकुलाई ॥ गोपिनगोपकछू नगनैंअपनेअपनेघरतैंउठिधाई ॥ ७९ ॥ दोहा ॥ प्रथमकामजनमननिकोरंगतिसुरनिरितुराग ॥ मंडतहैनवपल्लवनिकुनिपीछेवनबाग ॥ ७९ ॥ सषी दूतिकाजानियेउदीपनकेभेद ॥ नाइकअरुनाइकाकोहरैबिरहकोषेद ॥ ८० ॥ जातियसोंनहिनायकाकछूछिपावैबात ॥ तासोंबरनतकहिसषीसबकबिमतिअवदात ॥ ८१ ॥ मंडनिअरुसिछ्याकरनउपालंभपरहास ॥ काजसषीकेजानियेऔरोबुधिबिलास ॥ ८२ ॥ मंडनसवैया ॥ जावकरंगरच्योपदपंकजनाहकोचितरंगैरगजा

तैं ॥ अंजन दै कै रे नैननि मैं सुष मा बढि स्यो मसरोज
प्रभा तैं ॥ सौंने के भूषन अंगर च्यो मतिराम सबै ब
स की बे की घातैं ॥ यौं ही चले न सिंगार सुभाव ही मे
सषि भूलि कही सब बातैं ॥ ८२ ॥ दोहा ॥ सषी प्रिया की
देह मैं सजे सिंगार अनेक ॥ कजरारी आंषियान मैं भू
ल्यौ काजर येक ॥ ८४ ॥ सिद्धा को उदाहरन ॥ मलै कौ प
वन मंद मंद कै गवन लाग्यौ फूलन के बृंदनि तैं म
करंद छारनै ॥ कबि मतिराम छित छोर चारों ओर र
चा हित लाग्यो चेत चंद चारु चांदनी पसारनै ॥ अलि
नि की आली आली मैं नके समंच पधि लागे मान
नी के जु मानन कौं मारनै ॥ सुमन समाज साजी सेज

२८ ज
४३
69

सुषसाजकरौ आजु ब्रजराजब्रजराजपर वारनै
८५ दोहा कंतसजनीकैअनमनीअसुवानरतस
संक॥ बडेभागनंदलालसौंरूठेकुलगतकलंक॥
८६ उपालंब॥ पांनकोकहांनीकहांपानीकौनपा
नकरैआहिकरउवत अधिकउरआधिकै॥ कवि
मतिरामभईबिकलबिहालअबराधिकेजिवा
यलेअनंगअबराधिकै॥ याहीकोकहायोब्रजरा
जराजादिनचारिहीमैकरिहैउजारब्रजकैसी
रीतिनाधिकै॥ जैसैंतूबिलाक्यौआजुवाकीओ
रअंरबैरीबैरहूसौंबैरीनबिलोकैबैरसाधि
कै॥ ७ दोहा॥ वाकौमनुलीनैंलालबोलैंबोलर

सालकुकततनकलीबातमैंललितबेलिबरबाल ॥८८॥ परिहासकौउदाहरंन ॥ गौनैंकेद्यौसकहेमतिरांमसहेलिनकौमिलकैंगनआयौ ॥ कंचनकेबिछियापहरावतप्यारीसखीपरिहासबढायौ ॥ प्रीतमश्रौंनसमीपसदाबजायौंकहियेंअगुरीपहिरायौ ॥ कामिनकौंल्लचलावनकौंकरउंचौकियोपैचल्यौनचलायौ ॥८९॥ दोहा ॥ भुजफुलेललावतसखीकरचलायमुसक्याय ॥ गाछेंगस्यौउरोजतियबिहसीमौंहचढाय ॥९०॥ प्रभातरौंनालालकीपरीकपोलनआंनि ॥ कहाछिपावतचतुरतियकंतदंतछतजांनि ॥९१॥ निपुनदूतता

२८ग
44
70

मैंसदादूतीताहिबषानि॥उत्तिममध्यमअधम
पुनितीनभांतिकीजांनि॥६२॥मोहैजोमनबोलि
केमधुरबचनअभिराम॥ताहिकहतकबिराजहैं
उत्तिमदूतीनांम॥६३॥उत्तिमदूतीकोउदाहरन॥
जादिनतैंदेषेमतिरांमतुमतादिनतैंचढीरहैमु
सक्यानवाकेजियराईपर॥भावतनभोजनबना
वतनआभरनहितनकरतसुधानिधिसियराई
पर॥चलोउठिदेषौबडेभागहैंतिहारेअबमेल
राषोराधिकेकन्हाईहियराईपर॥दूनीदुतिध्या
ईदेहआईदुबराईपियराईलोनवारियेबिया
कीपियराईपर॥६४॥दोहा॥तियकेहियकेहन

नकौमयोपंचसखीर॥ लालतुह्यैवसकरनकौ
रहैनतरकसतीर॥ ९५॥ कछुकवचनहितकेक
हैबोलैंअहितकछूक॥ मध्यमदूतीकहतहैंतासौ
सुकबिअचूक॥ ९६॥ मध्यमदूतीकोउदाहरन॥ चरनं
धरैनभूमिविहरैतहांईतहांफूलेफूलेफूलनिबि
छायोपरजंकहै॥ मारकेडरनसुकमारचारुअंग
नमैकरतनअंगारागकुंकमकोपंकहै॥ कबिमति
रामदेषिबाकौवारझरोषाबीचआयेंआतपमलि
नहोतबदनमयंकहै॥ कैसैंवहबाललालबाहिर
बिजनआवैबिजनबयारलगैलचिकतअंकहै॥
९७॥ दोहा॥ रीमरहीरिझवारवहतुमउंयरबजनाथ

लाजसिंधु की ईदिरा क्यौं कर आवै हाथ ॥ ९८ ॥ अध
मदूका जानियै बचन कहै सतराय ॥ ग्रंथन को मति दे
षिकै बरनत सब कबिराय ॥ ९९ ॥ अधमदूती को उ
दाहरन ॥ जानत कछू न पै कहावत रसिक राय ल्या
वत्याव अब हौं तिहारें यह टेक है ॥ कूरन की रीति है
सुडेल ऐसो डारि देत मतिराम चतुर चतुरई लियें
कहै ॥ बोलीन नवेली बोल कछू सतराय वा हिमन
सिज ओज को सुहायो आजु सेक है ॥ बात के सुनत
अलसात अंग रात गात सों है कैं करि नैंन बिग सों
है हिय ने कहै ॥ १०० ॥ दोहा ॥ जोबन मांडत आपनें अजों
न जानत गात ॥ तो चित मैं अति चटपटी निपट अट

पटीबात १ जिनतैं चितरति नावकोश्राछोश्रनभ
वहीय रससिंगारश्रनभावतैंबरनतकबिसबकों
य र लोचनबचनप्रसादुम्रदुहासबासधृतमोद
श्रद्रनतैंप्रगटैंनावरतिबरनतसुमतिउदोत २ श्र
नुभावकोउदाहरन॥ गहैंहाथसौंहाथसहेलिन
कोईतश्रावतहाबदघमानलली मतिरामसुबास
तेंश्रावतनीरैंनिवारतमोरनकीश्रवली लषिकैं
मनमोहनकों सकुचीकियौचाहतश्रापनीश्रोट
श्रली चितचोरलियोद्रगजोरतियामुषमोरकछू
मुसक्याइचली ३ ॥दोहा॥ सहजबातबूझतकछुक
बिहसिनवाईग्रीव तरुनहियैतरुनीठईनईनेह

रस्ज्ञ
४६
72

कीनीव ॥ ५ ॥ तेअनभावहिजांनियोजेहैंसात्वकभाव रसग्रंथनिअवलोकिकेंबरनतहैंकबिराव ॥ ६ ॥ स्तंभ स्वेदरोमांचसुरभंगकंपबैवर्ण ॥ आंसूअरुप्रलयकहिआठोंग्रंथनिवर्ण ॥ ७ ॥ लजाहरषादिकनतैंअचथहोतजहांअंग ॥ स्तंभकहतहैंतासुकोंजेप्रवीनरसरंग ॥ ८ ॥ उदाहरन ॥ देषतहीमतिरांमरसीलेगहीगतिप्यारीकीयेमनगाढी ॥ चाहिबेकीचितचाहनईयेगईहियतैंकुलकांनकाढी ॥ संगसषीनकेजानदुरावतआननआंनदकीलुचिबाढी ॥ येगयपैरेसगमैंनमहूसुमईतहांलाजनिकेमिसठाढी ॥ ९ ॥ दोहा ॥ पाईकंतइकंतकेमरीअेकब्रजनाथ ॥ रोकनिकेंति

यकरतहैं कहौ करत नही हाथ १० हरष लाज भय
को पश्रम इत्यादिकतैं होइ पांनी प्रगटै देहत्तें स्वेद क
हावत सोय ११ उदाहरन किंकन नेवर की धुनका
रन चारु पसार महा रिस जालहि कांम कलोलन तैं
मति रांमकलान निहालकियो नंदलालहि स्वेद के
बुंदल सेतन मैं रतिप्रांत रही लपटाय गुपालहि मां
नौं फली मुकताफल पुंजन हेमलतालपटांनी तमा
लहि १२ दोहा कुचतैं श्रमजमजलधार चलि मिलि
रोमावलि रंग मनौं मेरकी तरहटी भयो सितासित सं
ग १३ हरष भयादिकतैं प्रगट रोम उमग जो अंग ता
हि कहत रोमांच है कबिजन सुमति उतंग १४ उदा

र० ज
87
73

हरन॥ चंदमुषीहांसीमैंचमेलीकीलतासीहोतचंप
कलतासीहोतजोतिकोंधरतिहैं॥ कबिमतिरामतेरी
अंगकीसुबासलहेकौंनबेलिअैसीबालजांनीन
परतिहै॥ नैसुकनिहारतूनवेलीकोरनैननिसौंअै
सीअदभुतकीकलानआचरतिहै॥ ललिततमाल
स्यांमरसिकरसालकोकलितमुकलनिकेकुल
निसौंकरतहै॥१५॥ दोहा॥ जेजेअंगगढिगाफैकछतधु
यैछैलकीछांह॥ अजहूलौंअवलोकियैपुलक
पटलतामांह॥१६॥ क्रोधहरषमदनीततेंबचनऔ
रबिधिहोय॥ ताहिकहतसुरनगहैंकबिकोबिदस
बकोय॥१७॥ उदाहरन॥ ताहिलैआईअलीरतिमं
दिरजाकीलगेरतिऔपरछांही॥ आपगयोमति

रामतहीजिहिकोटिककामकलाअवगाहीदेषत
हीदेटरीसगरीयकरीहसकैतियकीपियवांहीला
जभईमतिमंदनईसुकठीमुषचंदमसूकरनांही
१८॥दोहा॥कहाजनावतचातुरीकहाचढावतभौंह
आधिनिकरैंअषरानिसौंसौहैकीजैसौंह॥१९॥क्रो
धहरषभयआदितैंथरहरातजोदेह॥ताहिकंपयो
कहतहैकबिकोबिदमतिगेह॥२०॥उदाहरन॥इंदुमु
षीअरबिंदकीमालनिगूंदतरूपअनूपबनायौ॥का
मसरूपतहींमतिरामअनंदसौंनंदकुमारसिधायौ
देषतकंपछुयौतियकेतनयौंचतुराईकौबोलिउ
चायौ॥सीरौसरोजलगैसजनीकरकांपतजातनहा
रसवायौ॥२१॥दोहा॥लाजवदनलषिबालकैकुचनि

२०३
४८
74

कंपनचिन्हि ॥ चपलहोतचकवामनौचाहिचंदकी
जोति ॥ २२ ॥ मोहकोहभयआदितैंबरणऔरबिधिहो
य ॥ ताहिकहतहैबर्णहैसकलसयानैंलोय ॥ २३ ॥
उदाहरन ॥ छलसौंछबीलीकौसहेलीनिलिवाय
ल्याईउपरअटारीजायषेलरच्यौख्यालकौ ॥ कविम
तिरामकौनभूषनफूनकपरीचायमौचपलचितु
रसकरसालकौ ॥ अलीचलीसकलअलीकमिस
करिकरिआंवननिहारिकरिमदनगुपालकौ ॥ ल
लनाकौइंदुसौबदनअवलोकिअरबिंदसौ
बदनकुमलायगयौबालकौ ॥ ३ ॥ दोहा ॥ बालरहीइ
कटकनिरषिलालबदनअरबिंद ॥ सियराईनैंननि
परीपियराईमुषइंदु ॥ २५ ॥ हरषदुःषभयआदितैंजल

आवै अपियांन॥ ताबिन षांन तिअशु कहि गुंथन कौमतिजांन॥२९॥उदाहरन॥ बैठे कुंतेलाल मनमोहनमोहनी बाल छिनक ससकौ चरावै गुरजन भीरकौ॥ कबिमतिरामडीठ ओरकौ बचाय देषै देषत ही औरे भए राषे अबधीरकौ॥ तनकी संभार भूली मनकी षबरि भूली आंषिन मैं छायौ पूर आंनद के नीरकौ॥ उमगहियेतैं आयौ प्रेमकौ प्रवाह ताते लाज गिर गई जैसे तरवरके तीरकौ॥३०॥दोहा॥ बिन देषैं दुष कौं चलै देषै सुषकै जाहि॥ कहो लाल पुनि द्रगनि तैं अंसुवा क्यौं ठहराहि॥३१॥ जीव तन तन मैं होत है द्रहां सकल निरोघ हर्ष दुःषन यक्ष आदि तैं प्रलय कहत मतिसोध॥३२॥उदाह

२८ ल
७२
75

हरन॥ जाछिनतैं छबि सौं मुसक्याय कहूं निरषे नंदला
ल विलासी॥ ताछिन तैं मन नहीं मन मैं मति रांमा पियै मु
सक्यांनि सुधासी॥ नैंक निमेष न लागत नैंन चकी चि
तवै तिय देव तियासी॥ चंदमुषीन चलै न हलै निरबा
त निबाह मैं दीप सिषा सी॥ ३३॥ दोहा॥ तातैं अनमिष
नैंन ता मोहे मूरति मैंन॥ अनिमिषनैंन सुनै नये नि
रषत अनिमिष नैंन॥ ३४॥ जंमा कौं कबि कहत हैं न
वयौं सात्क भाव॥ उपजै आलस आदि तैं बरनत स
बक बिराव॥ ३५॥ उदाहरन॥ केलि कैं सकल राति
प्रात उठि अंगराति नीद भरे लोचन जुगल बिलस
त है॥ लाज नि तैं अंगन दुरावति है बार बार षैंच कर

बचनबिहारीबिलसतहै॥कबिमतिरामअश्रायेश्रा
लसजम्हातमुषश्रैसौमनमांवतीकौछंदसरसत
है॥अमनउदोतमानौंसोभाकेसरोवरमैंसोभमान
सोभाकौसरोजबिकसतहै॥३६॥दोहा॥आयोपीव
बिदेसतैंबकुतैश्रोसबिताय॥सषीउठाईपाससतैंसा
म्हीतैंजमुहाय॥३७॥अथसिंगाररसलछन॥जोवर
नततियपुरषकोकबिनबिदरतिभाव॥जासौंरीझत
सुकबिहैसोसिंगाररसराव॥३८॥कहिसिंगाररसभा
तिद्वैप्रथमबरनसंजोग॥ग्रंथनकौमतिदेषिकैंदूजोक
हतबियोग॥३९॥प्रमुदितनाइकनाइकाजहांमिलाप
नहोत॥सोसंजोगसिंगाररसबरनतसुमतउदोत॥

२८ उ
५०
76

उ० ॥ उदाहरन ॥ प्रां न पियापिय आनंद सौं बिपरीति
रची रति रंग रह्यौ न्है ॥ काम कलोलनि मैं मति राम
रही धुनि नेवर किंकनि की न्है ॥ आननकी उजियारी
परी श्रम बूंद समेत उरोज लसै न्है ॥ चंद की चांदनी के
पास रेमनो चंद यहान पहार चले चुवै ॥ ४१ ॥ दोहा ॥ छु
वत परस पर हरि कै राधा नंद किसोर ॥ सब मैं दोई हो
त है चोर मिहीचनी चोर ॥ ४२ ॥ नारि निका सिंगार
को इहां कहियत है हाव ॥ तेस जोग सिंगार मैं बरन
त सब कबिराव ॥ ४३ ॥ लीला प्रथम बिलास पुनि
त्यौ बिछित बबोनि ॥ बिभ्रम किलकिंचन बकुरि
मोटायत उरआनि ॥ ४४ ॥ बकुरि कुट्टमति कहत है

पुनिबिब्बोकबषांनि ॥ ललितबरनपुनिब्रहतकहि
सकलहावदस्राजांनि ॥६५॥ पियभूषनबचनादिकी
लीलाकरैजुबाल ॥ तासोंलीलाकहतहैंबरनत
कबिसुरसाल ॥६६॥ उदाहरन ॥ प्यारपगेपगरीपिय
कीघरभीतरआपनैसीससुधारी ॥ एतेमैंआंगनतैं
उठिकैंतहीआयगयोमतिरामबिहारी ॥ देषिउतार
नलागीप्रियापियसोंहनसोंबकुरौंनउतारी ॥ नैंनन
वायलजायरहीमुसकाइलईउरलालपियारी
॥६७॥ दोहा ॥ मेरेसिरकेसीलगैयोकहिबाधीपाग
सुंदररतिबिपरीतिमैंप्रगटकियोअनुराग ॥६८॥
मगननैंनबचुनादिमैंहोतकछूकबिसेष ॥ बर

51 ननताहि बिलास कहि रसमैं सुकबि असेष ॥ ९६

77 बिलास हाव को उदाहरन ॥ किंकनि कलित कल
नूपर ललित राबिगौ न तेरौ दबिकैं सकल करिगौ
न कौं ॥ म्रदु मुसकानि मुष चंद चारु चांदनी सैं राष्यौ
कै उजारौ अभिराम द्वार भौन कौ ॥ सहज सुभाव
नि सौं भौंहन के भावन सौं हरति है मति मति रांम
मनरौन कौ ॥ रूप मद छकी अति छबि सौं छबीली
चित तिरछी चितौंन मैं नवरछी सी कौन कौं ॥ ५०
दोहा ॥ तेरी चलन चितौंन म्रदु मधुर मंद मुसकां
नि ॥ छाइ रही लबि लालकी सषिअन मिष आबिदां
नि ॥ थोरेई भूषन बसन जो सो भासर साइ ॥ ताहि
कहत बिछित्ति हैं जे प्रबीन कबिराइ ॥ पर ॥ उदाहर

न॥ बरनैं सकल एकरोरी ही की आडुपरहाहान
पहर और आमरन अंगमैं॥ कहै मतिराम जैसे ति
छन कराछ तेरे ऐसे कहा सरहै अनंग के निषंग
मैं॥ सहज सरूप सुघराई रीझी मनमे रो डोलत
है तेरी अदभुत की तरंगमैं॥ सेतसारी ही सौं सब
सौतरंगी स्यांम रंग सेतसारी ही सौं रंगे स्यामला
ल रंगमैं॥ ॥ दोहा॥ नथुनी गजमुकतान की लस
त बारु सिंगार॥ जिन पहरें सुकमार तन और आम
रन भार॥ उलटे भूषन बसन कौं हीत जु है पह
राव॥ तासों बिभ्रम हाव कहि बरनत हैं कबिराव
॥ उदाहरन॥ साझही तें चलि आवत जात ज
हां तहां लोग न हून डरैं गी॥ पीतम सौं रतही यह

52
78

रूपसुधाकै है कहाजब अंकमरोंगी ॥ जानतहोमति
रामनतउचतुराईकीबातनहीउचरोगी ॥ किंकन
कोकरिहारगरैं कहोकोनयैंजायबिहारकरोगी
५६ ॥ दोहा ॥ चलीअलीकहिकोनयेबडोकोनकौ
भाग ॥ उलटौकंचुककुचनयैंकहैंदेतअनुराग
५७ ॥ हरषगरमअभिलाषश्रमहासरोसअरु
भीत ॥ होतएकहीबारमकिलकिंचतयहरीत ॥
५८ ॥ उदाहरन ॥ लालनबालकेद्वैहीदिनातेपरी
मनआयसनेहकीफांसी ॥ कामकिलोलनमें
मतिरामलगेमनोबांटनमोदकीआंसी ॥ पीत
मकेउरबीचचुभेदुलहीकेबिलासमनोजकी

गासी॥ खेद बढ्यौ तन के पउरोजन ओं सुक ओस
कपोलन हो सी॥ ५९॥ दोहा॥ सकुचन रहियै सावरे
सुनि गरबीले बोल॥ चढत मोह बिगसत नयन बि
हसत गोल कपोल॥ ६०॥ बातन को बिघटन नयैं फि
र मिलाप की चाह॥ सो मोटायत जानियै बरनत
सब कबि नाह॥ ६१॥ उदाहरन॥ फूलि रहे द्रुम बेलि
न सौं मिलि पूरि रही अध प्यारी निहारी॥ मोहि बि
लोक अकेली दुहं और ओसी मई कछू टीठ ति
हारी॥ जैसी कुती हम सौं तुम सौं अब होयगी वैसि
ये प्रीति तिहारी॥ चाहत जो चित मैं हित तौ जन बो
लियै कुंजन कुंज बिहारी॥ ६२॥ दोहा॥ फूठे ही ब्रज मैं लग्यो

79

मोहिकलंकगुपाल॥सपनैंहूकबहूहियेलगे

नतुमनदलाल॥८३॥ईहासुषअरुदुषकौप्रगट

करैजहांबांम॥परमललितयहहाववहैहोतकु

ट्टमितनांम॥८४॥उदाहरन॥सौनैकीसीबेली

अतिसुंदरनवेलीबालठाढीहीअकेलीअ

लबेलीद्वारमहियां॥मतिरांमआषिनसुधा

सीबरषासीभईगईजबदीठवाकेमुषचंदपाहि

यां॥नैंकनारैंजायकरबातनलगायकारनैंक

मनपायहरवांयगहीबहियां॥सैंननिचरच

लईजौननिचकितभईनैननिमैंचाहिकरै

वैननिमैंनहियां॥८५॥ दोहा॥प्रीतंमकौमन

भांवती मिल न प्रेम उत कंठ ॥ बांही छूटै न कंठ तैं ना

ह छूटै न कंठ ८६ ॥ जो पिय कौ अभिमांन तें करत अ

नादर बांम ॥ ताहि कहत बिब्बोक है जे प्रबीन गुन

धाम ८७ ॥ उदाहरन ॥ मांन कुआयौ है रज कढू च

ढि बैठत ऐसें पलास के घोडै ॥ गुंजगरें सिर मोरप

षा मति रामहौ गाय चरावत चौडै ॥ मोतिन कौ मेरौ

तोरौ हरा गहि हाथन सों रहे चूंनरी पोढै ॥ ऐसें ही

डोलत छैल भये तुम्हें लाज न आवत कांमरी ओ

ढें ८८ ॥ दोहा ॥ प्रांन पियारे पग परयौ तू न लषत इ

हि और ॥ ऐसो उरज कठोर तो न्याय हि उरज कठो

र ८९ ॥ बनैं बांन कन सौं सरस सकल आभरन

80

अंग ॥ ललितहावतासौं कहैं कबिबरबुध उतंग ॥ ७० ॥ उदा
हरन ॥ मंदगयंदकी चाल चलै कलकिंकन नेवर की धुनि बा
जै ॥ मोतीके हार निसौं हिहराहियराहरिबे कैकुलासन
साजै ॥ सारी सुही मतिरांमल से मुष संग किनारी की
योछबि छाजै ॥ पूरन बिंब पियूषमयूषम नौ परबेष
की रेष बिराजै ॥ ७१ ॥ दोहा ॥ बिरी अधर अंजन नयन
मह्दी पग अरु पांनि ॥ तन कंचन के आभरन नीठप
रतपहिचांनि ॥ ७२ ॥ जोपरयूरनहोतनहि पियसमी
प अभिलाष ॥ तासौं ब्रह्त बषांनिही जिनकी कबिता
दाष ॥ ७३ ॥ उदाहरन ॥ सकल सहेलनिकै पीछै पीछै
डोलत हैं मंद मंद गौन उपकार ही करत है ॥ सनमुष
होति मतिरांम जब पौंन लै गैं घूंघट को पट उघरत है ॥

जमुनातटबंसीबटकेनिकटनंदलालयेसकोंचनि
सोंचाहीनपरतहैं॥तनतोंतियाकोबरनावरेंमरन
मनसोंवरबदनपरिनावरैंनरतहै ७४॥दोहा॥रूपसों
वरीसांचहैसुधासिंधुमेंबोलि॥लषिनसकैत्र्यषि
यांसषीपरीलाजकीजोलि ७५॥त्र्प्रथवियोगसिंगा
रबरननं॥प्यारीपीउमिलापबिनुहोतिनहियैंत्र्प्रा
नंद॥सोबियोगसिंगारकहिबरनतसबकबिवृंद
७६॥कहिपूरबत्र्प्रनुरागत्र्प्ररुमानप्रवाहबिचारि॥
ताकोंकबिताकहतहैंसबेबरननिरधारि ७७॥जेप्र
थमहिदेषैसुनैंबाढैप्रेमरसनाग॥बिनमिलापजो
बिकलता तासोंपूरबराग ७८॥उदाहरन॥न्योंतैं
गईकहूंनेहबढ्योमतिरामदुहूंकेलगेदृगगाढैला

81

लचलेसुनिकेंग्रहकोंतियअंगअनंगकीआगिसौं
डाढे ॥ ऊंचेअटापरकोंधेंसहेलीकेछोढदियेंचित
वैदुषबाढे ॥ मोहनजूपगगातीकरैंपगहेकचलैंफि
रहीतिहिंठाढे ॥७९॥ दोहा ॥ निरषीनेहनवीनमेंनई
दईयहबात ॥ सूषतदेहदुहूनकीत्योंपानपपरसा
त ॥८०॥ मांनकहतहैं तीनविधिलघुमध्यमगुरुनां
म ॥ तिनकेभेदबनाइकैं बरनैंकबिमतिराम ॥८१॥
औरबालकोंलषितहीलषैकंतकौंबाल ॥ बरनत
हैंलघुनामसोंछूटततनकहिष्याल ॥८२॥ उदाह
रन ॥ देषतिऔरतियाहिछबीलेकौमांनछबीले
कैंनैंननछायौ ॥ प्रीतमपैंचतुराईकरीमतिरामक
छूपरहासबढायौ ॥ रातिरचीबिपरीतिजोप्रीत

सो ताकौ कबित्त बनाइ सुनायो ॥ मूलगाई रिसजा
लनितैं मुसकाइ प्रया मुषनीचेकौं नायौ ॥ ८३ ॥ दो
हा ॥ मानजनावत सबनकौं मनन मानकी ठाट ॥ बा
लमनावन कौं लषैं लाल तिहारी बाट ॥ ८४ ॥ पिय
मुषश्रौरे नारिकौ सुन्यौ नावजहनारि ॥ होतमा
नमध्यमतहां बरनत सुकबिबिचारि ॥ ८५ ॥ उदाहर
न ॥ दोउ श्रनंदसौं श्रांगनमांझ बिराजैं श्रसाढ
कीसांझ सुहाई ॥ बूझत श्रौरतियाकौ श्रचानक
नावलियो रसिकाई ॥ श्रायौ उनै मुषकोध कोमे
ह प्रिया सुरचापही मोंह चढाई ॥ श्रांषिनतैं गि
रश्रांसूकी बूंद सुहागगयो उडि हंसकीनाई ॥ ८६ ॥
नई देवता मांवनी वहतुम कौं बलिजांउ ॥ वाहीकौ

मनध्यानसौंवाहीकोमुषनाउ ॥८७॥ बोलनऔरति
82 यानसौंपियकौंदेषैबांम ॥ होततहांगुरमानकौब
रनतकबिमतिरांम ॥८८॥ उदाहरन ॥ तेरेप्रानप्यारे
कहूंसहजसुभाइप्यारीकहाभोकहीजोभूलिबा
तकाहूबालिसौं ॥ ताकौएतीरिसकैअयाननिकी
रीतितूतोदीपकसीजोतिजगेजोबनरसालसौं ॥
कहैमतिराममेरोकहौलौउरआनिआलीठानि
निजमानआलीमदनगुपालसौं ॥ मौंहैंकरिसू
धीबिहसौंहेकैकपोलनेंकसौंहेकैलोचनरि
सौहैंनंदलालसौं ॥८९॥ दोहा ॥ बकुनायकसौंबा
तमैंमानमयौनसयांन ॥ दुषसागरमैंबूडिहैबा
धगरैंगुरुमान ॥९०॥ प्रीतमबसेबिदेसमेंबिरहज

जहां सरसाय ॥ बरनत तहां प्रबास कहि जे प्रबीन कबिराय ॥ ९१ ॥ उदाहरन ॥ धुरवान की धावन मां नौं अनंग की तुंग धुजा फहरानि लगी ॥ नभमंडल कै छितमंडल छै दामिन जोति छटा छहरानि लगी ॥ मतिराम समीर लगै गति का बिरही बनिता थहरानि लगी ॥ परदेस मैं पीउ संदेस न पायौ पयोधि घटा घहरानि लगी ॥ ९२ ॥ दोहा ॥ चलत लाल कैं मैं कियौ सजनी हियौ पषान ॥ कहा कहौं दरकत नहीं इतै बियोग कृसान ॥ ९३ ॥ होत बियोग सिंगार मैं प्रगट दसा नव जांनि ॥ प्रथम कहै अभिलाष पुनि चिंता सुमति मन आनि ॥ ९४ ॥ गुन बरनन उद्वेग पुनि कहि प्रलाप उनमाद ॥ ब्याध बहुरि जडता

83

कहतकबिकोबिदअवदात ॥९५॥ नाहिकहतअभि
लाषहैजोमिलायकीचाह ॥ प्रेमकथनतैंजानियेब
रनतसबकबिनाह ॥९६॥ उदाहरन ॥ मोरपषामति
रामक्रीटमैंनोहरमूरतिसोंमनलैगो ॥ कुंडललो
लनगोलकपोलनबोलसनेहकेबीजनबैगो ॥ ला
लबिलोचनकोलनिसोंमुसकायइतैअररूाय
चितैगो ॥ एकघरीघनसेतनसोंअषियानिघनौ
घनसारकोदैगो ॥९७॥ दोहा ॥ मोमनमुकलोंउड़िग
योअबकौंहूंनपत्याय ॥ बसमोहनबनलालमैंर
ह्यौबनाइबनाय ॥९८॥ दरसनमुषकीभावनांकरै
मित्रकीचाह ॥ चिंताता सोंकहतहैंजेप्रबीनरस
नाह ॥९९॥ उदाहरन ॥ जेयेअकेलीमहाबनबीच

तहां मतिराम आकै लोई आवै। आपने आंन निचंद की चांदनी सौ पहलै तन ताप बुझावै। कूल कालिंदी कैं कुंजनि मंजुल मीठे अमोल वै बोल सुनावै। ज्यों हसि हेर लियौ हियरो हरि त्यों हसि जो हियरे हरि लावै। ४०। दोहा। काज कहा कुल कानि सो लोक लाज कि न जाइ। कुंजबिहारी कुंज मैं कहूं मिलै मुसकाइ। १। लषी सुनी पिय बात कौं जो सुमरन मन होय। संस्त ता कौं कहत हैं सब रस ग्रंथ बिलोय। २। दोहा। उदाहरन। बरुनी सघन बंक तिछन कटाछन कटाछ चारु लोचन बिसाल उरपी रह करत है आलस बलत कारि काजर कलित मतिराम बैल लित अतिपान पधरत है। स

84

रससरससोहैसहजसहासस्संक रंगकेबिलासरस मनहिहरतहै॥गाढैकैगढहैनिनिसारैनिसरतमैंन बांनसेबिसारैनबिसारेबिसरतहैं॥३॥दोहा॥ सोभा सुमरतिसांवरीनवसनेहमैबांम॥तनबूडतरंगपी तमैमनबूडतरंगस्याम॥४॥बिरहबीचिजोपीवकी सुंदरताहिसराहि॥गुनबरननतासौंकहैंजेप्रबी नकबिनाहि॥५॥उदाहरन॥मोहनकीमुसक्यान मनोहरिकुंडललडोलनिमैछबिछाई॥मोरपषा मतिरामकिरीटसुकंठबनीबनमालसुहाई॥लो चनलोलबिसालबिलोकनिकोनबिलोकिभयौ बसमाई॥वामुषकीमधुराईकहाकहौमीठीलगै अषियांनलुनाई॥६॥दोहा॥सरदचंदकीचांदि

नीजारिझारिकिनमोहि॥वामुषकीमुसकांनिस
रिकौंहूंकहूंनतोहि॥७॥बिरहबिथाकीबिकलता
कौंबिंथांजहांकछूनसुहाय॥ताहिकहतउद्वेगहैजेप्र
बीनकबिराय॥८॥उदाहरन॥चाहितुम्हेमतिरांम
रसालपरीतियकेतनमैंपियराई॥कामकेतीषन
तीरनकीभरिभीरतुनीरभयोहियराई॥तेरेबिलो
किबेकौउतकंठितकंठकैआयरह्यो॥जियराई॥
नेकपरैनमनोजकेवोजनिसेजनिसेजनकीसियराई॥९॥दोहा॥जेअगनपियसंगमैबरषतकुतेपियूष॥
तेबीधूकैडंकसेभयेमयंकमयूष॥१०॥उतकंठातेक
हतहैंजहांमोहमयबैंन॥बरननतहांप्रलापहैते
प्रबीनरससैंन॥११॥उदाहरन॥कहियोसदसौपौं

85

नपानीसौंगवनकीनेबिक्रमबिलासजबआप
नेंपरसकैं। चंदकरबरछीनिछेदछेदहाओतीर
तिछनमनोजकेकछूककरिनसकैं। कबिमतिरा
मएकुबज्रलसकेसेंधाइक्योंहूंगनतिनकोकिले
कीकूकनिनिकसकैं। कैसेंदरकतमेरोउरसदा
सहिरह्योतेरेकुचनिपरकठोरनिकेमसकैं॥१२॥
दोहा॥ बिकललालकोबालतूक्योंनबिलोकतआनि॥ बोलिकोकलनिसौंकहेबोलतिहरिजानि॥१३॥ उतकंठमेंमोहमयबृथाकरतकछुकाज
ताहिकहतउनमादहेंकबिकोबिदसिरताज॥
१४॥ उदाहरन॥ जाछिनतैंमतिरामकहेमुसकातिकहूंनिरख्योनदलालहि। ताछिनतेंछिनहीछि

नहीन बिथा बोह बाढ़ वियोग की बालहि ॥ बूझत है कर सौं कि सखी लै गहि बूझत स्यांम सरूप गुपालहि ॥ गोरी भई है मयंक मुषी भुज भेंटत है भरि अंक तमालहि ॥ १५ ॥ दोहा ॥ रोइ उठै छिन हसि उठै छिन उठि चलै रिसाय ॥ बोरी करी बनाय तैं रूप बगौरी लाय ॥ १६ ॥ काम पीर तैं पीर ई ताप दुबरई होइ ॥ तासौं ब्याधि बषानही कबि कोबिद सब कोइ ॥ १७ ॥ उदाहरन ॥ बरषा सी लागी निसबासर बिलोचननि बाढ़ि परवाह भयौ नावनि उतारिबौ सहीौ जात कौन पै सुकबि मतिराम अति बिरह जलनि ज्वाल जालनि कौ जारिबौ जैवनु समी

पतें उडावत उसासन सों हमकौं तो होत उत हे
रित हां हरिबौ ॥ कियौ कहा चाहत सु कहै न कुअ
र कान्ह रह्यौ ऽ अब वाकैं उपचारन कौ करिबौ ॥
१८ दोहा दैखि परै नाहिं दूबरी सुनियै स्याम सुजां
न ॥ जान परै परजंक परि ऽ अंग ऽ आंच उनमांन
१९ ॥ उतकंठा तैं होत है ऽ अचल चित्त ऽ अरु ऽ अंग ॥
तासौं जडता कहत हैं कबि कोबिद रसरंग ॥ २०
उदाहरन ॥ सूंघै न सुबास रहै रंग राग तै उदा
स भूलि गई सुरति सकल षांन पांन की ॥ कबि
मतिरांम इकटक अनिमिष नैंन बूझै न कहत
बात समझै न ष्यांन की ॥ थोरी सी हसनि मैं ठगौ

री ॥ ऐसी डारी तुम भोरी की नी गोरी तै किसोरी
वृषभान की ॥ तब तै बिहारी व्है भई है पषान कै
सी जब तै निहारी तुम मैं रूचि मोर के पषान की ॥
२१ ॥ दोहा ॥ अनिमिष लोचन बाल व्है याते नंदकु
मार ॥ मीच ठई जर बीच ही बिरहानल की झार ॥
२२ ॥ उदाहरन ॥ मोरपषान किरीट बन्यो मुकता
न सौ कुंडल श्रोन बिलासी ॥ चारु चितौन चुभी
मतिराम सु क्यौं बिसरै मुसक्यान सुधासी ॥ का
ज कहा सजनी कुल कांन सौं लोग हसैं सिगरौ
ब्रजबासी ॥ मै तो भई मनमोहन को मुषचंद लखै
बिन मोल की दासी ॥ २३ ॥ दोहा ॥ समझि समझि
बिन मो

सबरीमहैंसज्जनसुकबिसमाज॥रसकनके
रसकौंक्यौमयौसकलरसराज॥४२४॥इति
श्रीमतिरांमकबिकृतेरसराजसंपूर्नं॥लि
षतंघासीरांमकाइथामितीपोससुदि१५संव
त१८३९सनिवारमुकामसवाईजेपुर॥श्री॥

भरेरोसनीकेपेदषेयाकोग्रंयेरोकरैवारमरेहैपेग्रागला
मेचोफरेहै कोमलकमलसेपेनीरनेमनायवेयेंद्यावनादि
पातस्रोयनषसेपेरेहै ग्वालकविस्रमलपीयेसेरननारेग्रा
पस्रोरनकोमनवारेकरकुरगेरेहै पोषमेनिहारसानिहा
रेस्रवकरुंकहाजाहूंयोकेपोषयेस्रनोषेनेननेरहै१
रिषनकेस्रापनेवचेगोसिंहथ्यापनेजूवचेगोजरूरविनापके
प्रकारने दावानलफारननेविजुकीप्रहारनेवचेगोजरूर
जोरजहूरग्रपारने ग्वालकविकहेदेषोमूपजुपहूंनेवचे
वचेगोजरूरमहनरारविकरारने मारनकेमंत्रननेजंत्रननेनं
त्र२ नेननेवचहूं रहेगोपेवचैनेनमारेने॥२॥

वसावठगोवीदहरु मारा
88 मङ्मकेसन जात कदरा
ववमसारा चे ओसारमा
मजलममरवे ऋजातेवी
दरावनरटटजमनाभी
तरमाः वरेजरहोवरज्ञा
कोमानःविवरजातमी
रःचःदसकोमितकामओ
सनःपामनघररनघार

89 ।।जा गा लो बल ग ज़ी मोन न जा गो लो
बल ग ज़ी: प्र ह्ल म्हु र जा गा लो बल
ग ज़ी: म्हु ल म्हु पा ना म र द्दु ग बी ल
धा बी वो बल म ज़ी: ग बा म बा न म
ज द्दु बा र ग गा ब र पि न मी ग ज़ी: मो
म पा ल धो ल ग रो ब न ह ग ज़ी मो
ह न जा गा लो ब ल ग ज़ी: पु गे बा न ती
घ ज़ी बा बा पा द पा दु र ज़ी धो र म जा
गा लो ब ल ग ज़ी: दु गे बा न जी मा री ब
न बी मा बि न ग टी मो: ते र मा र नो
म म म्हु द र न ज़ी म्हु र मी म ज़ी म्हु र दा स
प्र ह्लु ल्हु मा रे मी न म ह्ल द र चा र मा चो त
र ज़ी: ९ का जा गा ल म्हा रा ज ब बा: र न द बे
द्दु ला रे: म्हु घा र रा म जा ग म मो घा ग ब
मा मी धा रे भा जा गा ल म्हा रा ज म बा र
न द भ द्दु ला रे

॥ ज मना मै गै द व र. ऊ सा ल वा व सब
लोरे: सा लवे कु आर: मे मी श्री म न नवै
आले: श्री ग ज्य ल ढा नी क रा देव नाबु
वारे: श्री ना गा के सा रा ज न द के दुला
री: श्री ग ज रा जी दा वी क रा द सत
बु बारे: त म ठी द स म र: ख ता ये ध
प ला द बु बारे: र: प्रि र ती श्री ज ग ना
थ म ग श्री ध री: प र मत चर थार
वे द. श्री व जा न री बी र बत चर थार वर
सावखा नरी: क नी र ल ल म बार ले
द सावदा नरी: के चो ज मु वी प दान
जौ। ती ज. ग म सी: ध प री व व ग रवा
म वा ये क ज री: रा द द व थ सी र गा
ल रो व म थ ब री: सै त ग गा मा र ब
रे सा न द न री म र न र बीर चा थान
व मा वे र व च री घन प न व म व

ठार श्री
थथघ
टाबार
बेनबा
नबास
माबा
सतम
रदग
नालना
गवज
रा

90

॥कर णा नी धा न रु णा ये कर णा का
न मे रा: ना स लो ये र त बु मा रा
लो या मी ल ग न ते री कर णा नी
धा न रु णा ये कर णा का न मे रा
: ग न को ते र: मा नी न ण त वे दखा
णा गा का । पि द का द, प्रा । गे को टी
वो टी का गे कर णा नी धा न रु
णा ये कर णा का नी मे रा : वे ना
दे है प्र ची का रा ब म पा रा दे
धा रा वो र सी धा ना वे ऋ षा या
स न का ग त न कै म नी का या मः
का रु ग प ली तृ ता ता रे क क गां
तगा ण त का रे तो मे रा [illegible] रः र वो
ब क सो ड र ला क ता गो

91 कु बे त ने त हेतु ह के त वि ला

हेडु हो म का र डी म व है

म ना ना से रा म

ला हा सी म न

कीडु बट रसु माड नपाट माडु

मा गी मी गीडु न मी वा ना

बं गु स्त्रा रा गा मे रपा रे दु

स कास्त्र कुदी डे दु पीवा मा य

स द सद दपी वा ना प रका

म ला की का त्र न पा री सा

च द द पी वा ना प

रैं ची त क स त [illegible]

सका छौं सा मा रा म की ड ग लग
बापरी रस का ज न बल जो ये: रादी
का पूजे पून दमे वा लौं सब रचं दगो
पा ल कैरस भ री दस सै का की त्या
... ... मो ... राधा का पूजे प्रून
दमे रो ल ३ भा ने कु ना रा डा के चार
मै सा ... म ना ... ... त डा त मैं
री पीवे ... पी रा णी वो ड ब मा ... ...
री ... री ... ... वा ... ... कुने
कुने ... वा वा र ... ... सा ... ...
चा ... ... ग सु ... ग णी त्यावी
त्यो ... र ... पा ... ... गो पा ल ... ...
स व र म ... ... : गो ... ...

दे री ...

होसुषी सजबी । बनां पांगीरघोरजु
९५ हेरामेरे गीरधरप्रवांना होसुषी
संजरी बनाये गीधर गी राम
सुरा गोद वोदे प्र सजीवी
धये गीरधरप्रवाना होरा सुषी
संजरी बनाये गीरधर हेरामीर
गीरधरप्रवना होरा सुषी सजरी ब
नाये जोईज र चंपो कोव दाप
तल प लगुलाबा गीरधरप्रवना
होरासु षी सजरी ब नाये कृतनवा
कलकतगी हे चीकसप्रना
रगी रधरप्रवान। होरी सुषी

सेंद बोचप नाटां गीरधर सारषा
मवां नटा करादां मीरासी रषा
नों नारे गीरधर प्रावनां दोरी
सेंषा सेतं रीवां मा थें।

कवित्त।। चौपकर रची है विरंच रूप रास कै सी कोक की कला सी चारु चातुरी
कीसालासी।। चंद्रमासी चांदनी सी चांमीकर रकरच पलासी सुधासी सबीजन
कौ सैनन कोहालासी।। कहा मंजु बोबा ऊरवसी नसुकेसी दुतिजाकी छवि अंगवा
रियत मैन वालासी।। चंपक की माला लगै हीये वरसकालासी हिरदु सालो है न
श्री बमर्मे पालासी।।१।। सेहनी रमन कौ मरीचासी मुषदसी चौ सोहनी सुरस
महामोहनी के पलसी।। श्री पति सुक विछवि र विकास करती है मैन के मुकर
सी अमल सुध्य जलसी।। गोरी गरवीली ती ते रंगान की गुसई प्रामेच पत्तानेका
ई ज्योति लागन सहिलसी।। माषमल हिलसी परागकै चहिलसी गुलाब
के अहिलसी नरम मषमलसी।।२।। कोमल अमल दल कमल त
वलकै पोकीनी है विरंच सवच्छ विकासहे टहे।। उदत प्रभाकर कीदु
ति ज्यानछाई कैपोच मकत चारु षात लोचन रपेट हे।। सुंदर थली

हैं मलीमद न विसर्जवेकी जाके सम कीने होत उपमान रेट हैं॥ चीकन पर
मम बमलते नर मञ्जेसापिञ्जारी जूको पेट लेत मन को लपेट हैं॥३॥
कै पौंच हिपान पेव सौकरन मंत्र लिष्यो देव छवि सो हैं का हू विदिआ
93 पाव सरकी॥ रिधि ये सरोवर सिंगार जल भरियो कैधों उमडच ल्यो
है नाभ कुंड कामाहिर की॥ छोटे छोटे आषर नि अवली लिषाये
पेनो आपनी सबलताई सूरतासमरकी॥ डीने देषे नैनन की गति
मति भाजी यन तेरी रे[illegible]म राजी के पोवा मे वाजीगर की॥७॥
नवली तारनमंत्र के आवरजंत्र जरी विधि ना हि करी है॥ पिया
री निहारी रोम[illegible]ली जो पर मोहरके मन अनुपरी है॥ प्रीतम चि
ने चरी के लीये यहि लावें कंचन लगी लगी लोनी बरी है॥ नाभी सरोवर
तीर मनो कुर फूधक कामकी कारागरी है॥५॥ बसंतवरनन॥ पदम
कर॥ कूलन मै केलन मे कछारन मे क्यारन मे कुंजन मैं कलित कलीन कि
लकंत है॥ कहे पदमाकर परागन मे पौन हू मे पातन मे पिक मे पिला
नंत है॥ दुआर मे दिसान मे दुनी मे देसदेसन मे देषो दीपदीपन मे दीपन दि प
गंत है॥ वीथन मै ब्रिज मै नवेलिन मै बनन मै बागन मे बगरयो बसंत है॥६॥

स मैं दिसान मैललनान द्रुमवेलन मैकुंजन मैकंजन मैरंगदरसानो है ॥ पल्लवौं पौन मैपल्लासन मैकिसल्य मैकुसमकलीन अलिगुंजसरसानो है ॥ हारनौं किआरन मैफूलीकचनारन मैकारन पहारन मैमोदसरसानो है ॥ बागमैबगार मैवनवीथन मैवेहर मैवार मैवहार मैवसंतसरसानो है ॥ ७ ॥

सवैया ॥ श्रीयुत हूं थिर है ध्रुव लोम हाराजम हेंद्र मृगेसकी गादी ॥ जो केवजीर दिलेर दिवान सुमंत्रनकार है नेक मुनादी ॥ सुंदर कौर के होत पदाय सदेषीये चार ध्रुफेरेई सादी ॥ है समठौर मचो यह सोर सुमुबारक होहमुबारक [illegible] दी ॥

आगतपतिका ॥ आवत कंत आगन आयगो पील षिलाडलीत्यौ दुचतायरही ॥ पुनि घुंघट घाल सकै नहि मायके पायके पीछे दुरायरही ॥ उचकै कुचकोरन की पदमाकर कैतीक छूटे विछायरही ॥ ललिचायरही सकुचायरही मुसकायरही सिरनायरही ॥

॥ श्री राम जी ॥

जै मना तु दे जी

95 चहा रैन रैने हु चे करे मन

ना॥ यामे कुट रै त मत

पुरान कथामे

जीमे साची करमा

रगपे ठाये जैमना

रा है का॥ तममे ते

जाहते रही मीचने जौ

जै मे ब्राम मीलवे सीमा दे

जा
जै